Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 208
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार,26 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 दो पक्षों में मारपीट, नौ लोगों पर एफआईआर दर्ज

4 वैलेंटाइन डे पर इन रेड ड्रेस को करें ट्राई, बॉलीवुड

7 मलाइका अरोड़ा ने पहनी ऐसी ड्रेस कि चलना

पीएम मोदी इजरायल दौरे पर रवाना

नेतन्याहू से मिलने के लिए उत्साहित हूं-दोनों देशों के संबंध और मजबूत होने की आशा

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत और इजराइल एक मजबूत और बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं, जिसमें उल्लेखनीय वृद्धि और प्रगति देखी गई है। उन्होंने कहा कि वह इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ अपनी बातचीत को लेकर आशान्वित हैं। प्रधानमंत्री बुधवार को दो दिवसीय यात्रा पर इजराइल के लिए रवाना हुए। इजराइल यात्रा के लिए रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि उनकी यह यात्रा भारत और इजराइल के बीच "स्थायी संबंधों" को और मजबूत करेगी, रणनीतिक साझेदारी के लिए नए लक्ष्य निर्धारित करेगी तथा एक सशक्त, नवोन्मेषी और समृद्ध भविष्य के लिए दोनों देशों के साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि अपने "प्रिय मित्र प्रधानमंत्री नेतन्याहू" के निमंत्रण पर वह इजराइल की यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने रवाना होने से पहले अपने वक्तव्य में कहा, "मैं प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ होने वाली चचाओं को लेकर आशान्वित हूं जिनका उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी, नवाचार, कृषि, जल प्रबंधन, रक्षा एवं सुरक्षा, व्यापार एवं निवेश के साथ लोगों के बीच आपसी संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में हमारे सहयोग को और मजबूत करना है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों नेता पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। इस यात्रा के दौरान मोदी इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा, "मुझे इजराइल की संसद नेसेट को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री होने का गौरव प्राप्त होगा। यह अवसर हमारे दोनों देशों को जोड़ने वाले मजबूत संसदीय और लोकतांत्रिक संबंधों के प्रति एक सम्मान होगा।" पीएम मोदी ने कहा कि वह इजराइल में भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों से बातचीत करने को लेकर उत्साहित हैं, जिन्होंने लंबे समय से भारत-इजराइल मित्रता को पोषित किया है।

अपराधियों का राज, कानून-व्यवस्था पूरी तरह फेल:तेजस्वी

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार में बढ़ते अपराध और चरमरा गई

कानून-व्यवस्था को लेकर एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोला है, उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को कमजोर बताते हुए कहा कि सरकार अपनी विश्वसनीयता खो चुकी है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता और बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोलते हुए राज्य में अपराध में भारी वृद्धि और कानून-व्यवस्था के पूरी तरह चरमरा जाने का आरोप लगाया। यादव ने कहा कि राज्य सरकार की विश्वसनीयता पूरी तरह खत्म हो चुकी है। पत्रकारों से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि अपराध दिन-ब-दिन बढ़ रहा है। हर दिन हत्याएं, बलात्कार और गोलीबारी हो रही है। इससे पता चलता है कि सरकार की विश्वसनीयता पूरी तरह खत्म हो चुकी है... कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस मौजूदा सरकार में अपराधियों का राज चल रहा है। सरकार में कोई भी, चाहे मुख्यमंत्री हों या दोनों उपमुख्यमंत्री, जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। नीतीश कुमार भी कमजोर पड़ गए हैं। उन्हें याद नहीं रहता कि क्या हो रहा है और क्या नहीं हो रहा है। उन्होंने राज्य की राजनीतिक गतिशीलता की ओर इशारा करते हुए कहा कि आप देख सकते हैं कि नीतीश कुमार ने राज्य का गृह मंत्रालय कभी किसी को नहीं दिया। लेकिन अब उन्हें इसे भाजपा को देना होगा।

सार संक्षेप

कार सवार युवकों ने सेल्समैन को पीटा

नोएडा,(संवाददाता)। नोएडा में एक पेट्रोल पंप पर कार सवार 4 युवकों ने हवा भर रहे सेल्समैन से मारपीट कर दी। हवा भरने के दौरान उनकी किसी बात पर विवाद हो गया, जिसके बाद युवकों ने सेल्समैन को बुरी तरह पीटा। मारपीट के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पूरी घटना पंप में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह घटना सेक्टर-21 के एक पेट्रोल पंप की है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कुछ लोग कार में हवा भरवाने पंप पर आए थे। हवा भर रहे युवक की इन लोगों से किसी बात को लेकर बहस हो गई। इसके बाद कार से तीन और लोग उतरकर आते हैं। फिर वें युवक को घेरकर मारना शुरू कर दिया। मारपीट के दौरान पेट्रोल पंप कर्मचारी बीच-बचाव के लिए सामने आए, जिससे युवक को छुड़ाया गया। कुछ देर बाद मौके पर एक पुलिसकर्मी पहुंचता है और मामले को शांत कराता है। पुलिस ने वायरल वीडियो और पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत, चालक फरार

नोएडा,(संवाददाता)। ग्रेटर नोएडा में मंगलवार देर रात दनकौर-सिकंदराबाद रोड पर एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक ने ओवरटेक करते समय बाइक को टक्कर मारी, जिससे युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, ककोड़ कोतवाली क्षेत्र के अमीपुर बांगर गांव निवासी पवन ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनके भाई नितिश मंगलवार रात एक शादी समारोह से बाइक पर अकेले अपने गांव लौट रहे थे। जब वह दनकौर-सिकंदराबाद रोड से होते हुए बिलासपुर कस्बे के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक चालक ने ओवरटेक के दौरान लापरवाही बरतते हुए उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि नितिश की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि यह हादसा ट्रक चालक की लापरवाही और तेज गति के कारण हुआ। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि इस मामले में अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

किसानों की सब्सिडी में अब नहीं चलेगी कोई भी धांधली:शिवराज

नईदिल्ली: शिवराज सिंह चौहान द्वारा उद्घाटित पूसा कृषि विज्ञान मेले में किसानों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें भुगतान में देरी पर 12% ब्याज और राज्य स्तर पर विलंब होने पर केंद्र द्वारा सीधे भुगतान जैसे कड़े उपायों की घोषणा की गई। इस कदम का उद्देश्य कृषि योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में आईसीएआर-आईएआरआई परिसर में तीन दिवसीय पूसा कृषि विज्ञान मेले का उद्घाटन किया। उन्होंने भारतीय कृषि

को विकसित कृषि-आत्मनिर्भर भारत की ओर ले जाने के उद्देश्य से व्यापक सुधार एजेंडा की रूपरेखा प्रस्तुत की। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया कि किसानों के भुगतान में देरी, प्रक्रियात्मक अड़चनें और कमजोर निगरानी प्रणाली अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) में आयोजित इस वार्षिक मेले का उद्घाटन एक औपचारिक वृक्षारोपण अभियान के साथ किया गया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस कार्यक्रम में कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी, आईसीएआर के महानिदेशक एमएल जाट और आईएआरआई के निदेशक सी.एच. श्रीनिवास राव के साथ-साथ वैज्ञानिक, प्रगतिशील किसान और संस्थागत प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राहुल गांधी ने प्रदर्शनकारियों को कहा 'बब्बर-शेर', भाजपा का पलटवार- कांग्रेस खुद का मजाक बना रही है

नई दिल्ली: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत मंडपम में युवा कांग्रेस के शर्टलेस विरोध की कड़ी निंदा करते हुए इसकी तुलना आपातकाल से की और कहा कि कांग्रेस को इस पर हमेशा पछतावा होगा। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने आठ कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है, जबकि कांग्रेस ने अपने नेताओं का समर्थन किया है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत मंडपम में यूथ कांग्रेस के 'शर्टलेस विरोध प्रदर्शन' को लेकर चल रही तीखी राजनीतिक बहस के बीच, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें इस विरोध प्रदर्शन पर उसी तरह पछतावा होना चाहिए जैसे उन्हें आपातकाल पर हुआ था।

उन्होंने जोर देकर कहा कि देश इस शर्मनाक कृत्य को हमेशा याद रखेगा। बिजनेस स्टैंडर्ड मंथन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने पूछा कि क्या लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करने का यह उचित तरीका है? उन्होंने कहा कि विपक्ष अपनी पार्टी का मजाक बना रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीयों की आलोचना करने और एआई समिट को मजाक बनाने से पहले, आप खुद का मजाक बना रहे हैं। क्या लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करने का यही तरीका है? उन्होंने टिप्पणी की कि कांग्रेस पार्टी को इस पर उतना ही पछतावा होना चाहिए जितना उन्हें आपातकाल पर हुआ था - हमेशा के लिए। वे इससे कभी उबर नहीं पाएंगे। देश उन्हें इस शर्मनाक हरकत की याद दिलाता रहेगा। यह घटना तब घटी जब भारतीय युवा कांग्रेस के सदस्यों ने राष्ट्रीय राजधानी में एआई इम्पैक्ट इंडिया समिट के भारत मंडपम स्थल पर समझौतावादी प्रधानमंत्री के नारे लिखते हुए अपनी कमीजें उतारकर विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने असहमति जताने के लिए अपनी कमीजें उतारीं। दिल्ली पुलिस अपराध शाखा ने मंगलवार को बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान हुए कमरबंद विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। भाजपा ने विरोध प्रदर्शन के पीछे षड्यंत्र का आरोप लगाया, वहीं कांग्रेस ने अपने युवा विंग के नेताओं का समर्थन करते हुए गिरफ्तारियों की निंदा की।

सीएम योगी के जापान दौरे में मिले मेगा निवेश प्रस्ताव

11 हजार करोड़ के एमओयू पर हुए साइन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के पहले दिन निवेश के कई बड़े प्रस्तावों पर एमओयू साइन हुए हैं। जापान की कंपनियों ने यूपी में निवेश की उत्सुकता दिखाई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के पहले दिन औद्योगिक निवेश को लेकर महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। विभिन्न जापानी कंपनियों के साथ लगभग 11 हजार करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। जिन कंपनियों के साथ करार हुआ है उनमें कुबोता कारपोरेशन, मिंडा कारपोरेशन, जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री, नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, सीको एडवांस, ओएंडओ ग्रुप, फूजी जैपनीज जेवी और फूजीसिल्वरटेक कंक्रीट प्रा. लि. शामिल हैं। ये समझौते कृषि यंत्र निर्माण, औद्योगिक मशीनरी निर्माण, जल और पर्यावरण अवसंरचना समाधान, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक प्रिंटिंग एवं ग्राफिक्स, हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े हैं। इससे विनिर्माण क्षमता के विस्तार और औद्योगिक सहयोग को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। कुबोता कारपोरेशन, वर्ष 1890 में स्थापित जापान की एक अग्रणी बहुराष्ट्रीय कंपनी है और जिसका मुख्यालय ओसाका में स्थित है। यह कृषि और औद्योगिक मशीनरी निर्माण में वैश्विक पहचान रखती है। कंपनी ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, इंजन और निर्माण उपकरण के साथ साथ जल और पर्यावरण अवसंरचना समाधान जैसे पाइप, पंप और ट्रीटमेंट सिस्टम के क्षेत्र में भी कार्यरत है। एस्कॉर्ट्स कुबोता लिमिटेड के साथ सहयोग के माध्यम से कंपनी भारत में अपने विनिर्माण विस्तार और फार्म मैकेनाइजेशन क्षेत्र में उपस्थिति को मजबूत कर रही है। मिंडा कारपोरेशन, जो स्पार्क मिंडा समूह का हिस्सा है, ऑटोमोटिव कंपोनेंट निर्माण में अग्रणी भारतीय कंपनी है। यह मैक्ट्रॉनिक्स, वायरिंग हार्नेस, प्लास्टिक इंटीरियर, सेंसर और ईवी समाधान उपलब्ध कराती है। जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री जिसे जेएई के नाम से जाना जाता है, ऑटोमोटिव और एयरोस्पेस सेक्टर के लिए एडवांस कनेक्टर्स और इलेक्ट्रॉनिक इंटरफेस समाधान में विशेषज्ञता रखती है। नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, एक विविधीकृत जापानी ट्रेडिंग और टेक्नोलॉजी कंपनी है जो केमिकल्स, एडवांस्ड मैटेरियल्स, मोबिलिटी सॉल्यूशंस और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में सक्रिय है। इन कंपनियों के बीच सहयोग से ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। सीको एडवांस जापान मूल की कंपनी है जो उच्च प्रदर्शन स्क्रीन प्रिंटिंग इंक और कोटिंग सॉल्यूशंस के लिए जानी जाती है। इसके उत्पाद ऑटोमोटिव डीकल्स, इंडस्ट्रियल ग्राफिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स पैनल, ग्लास प्रिंटिंग और कंज्यूमर अप्लायंसेज में उपयोग होते हैं। कंपनी भारत में अपनी विनिर्माण इकाई के माध्यम से विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों को आपूर्ति कर रही है। इसके अतिरिक्त ओ एंड ओ ने हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश को लेकर समझौता किया। पहले दिन हुए इन समझौतों को भारत और जापान के बीच औद्योगिक सहयोग को नई गति देने वाला कदम माना जा रहा है।

बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के घर पर इनकम टैक्स की रेड

लखनऊ,(संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ स्थित आवास पर आयकर विभाग ने छापेमारी की है। बुधवार सुबह गोमतीनगर स्थित उनके आवास और कार्यालय पर इनकम टैक्स की टीम ने दबिश दी। सूत्रों के अनुसार छापे में 50 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी और भारी फोर्स पहुंची। विधायक उमाशंकर सिंह बलिया की रसड़ा विधानसभा सीट से बसपा के टिकट पर 2022 में चुने गए थे। वर्तमान विधानसभा में पार्टी के एकमात्र विधायक है। वे कैंसर से पीड़ित हैं। उनके दो ऑपरेशन हो चुके हैं और वे लखनऊ के गोमतीनगर स्थित आवास में आइसोलेशन में रहकर इलाज करा रहे हैं। परिवार और डॉक्टरों के अनुसार उनकी स्थिति नाजुक है। छापेमारी की खबर से राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया। आयकर टीम सुबह करीब 7 बजे तीन गाड़ियों में पहुंची और दस्तावेजों, रिकॉर्ड्स की जांच शुरू की। कार्रवाई के दौरान डॉक्टरों और नर्सों के आने-जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया, जिससे विधायक के परिवार में चिंता बढ़ गई। छापा ऐसे समय में हुआ है जब बसपा सुप्रीमो मायावती 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी हैं। उमाशंकर सिंह को पार्टी में काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। पिछले साल मार्च में भी उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के आरोप में विजिलेंस विभाग ने जांच शुरू की थी लेकिन इस छापे का सीधा संबंध उस जांच से जुड़ा है या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है।

दिल्ली में अरुणाचल की महिलाओं से बदसलूकी पर भड़कीं मुख्यमंत्री रेखा, दी सख्त कार्रवाई की चेतावनी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मालवीय नगर में अरुणाचल प्रदेश की महिलाओं से दुर्व्यवहार पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है और पीड़ितों से मिलने की बात कही है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने नस्लीय दुर्व्यवहार के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और जांच एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा की जा रही है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली के मालवीय नगर में पूर्वोत्तर की महिलाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार की हालिया खबरों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना सोशल मीडिया पर विभिन्न इन्फ्लुएंसर्स द्वारा साझा किए गए टैग और वीडियो के माध्यम से उनके संज्ञान में आई। इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश में मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के मालवीय नगर में पूर्वोत्तर की हमारी बहनों के साथ दुर्व्यवहार की घटना मेरे संज्ञान में आई है। कुछ इन्फ्लुएंसर्स ने मुझे अपने वीडियो में टैग भी किया है। रेखा गुप्ता ने आगे कहा कि मैं जल्द ही उन बहनों से मिलूंगी। लेकिन मैं यह स्पष्ट करना चाहती हूं कि दिल्ली, जो देश की राजधानी है, में पूर्वोत्तर के हमारे भाइयों और बहनों को उतना ही अधिकार है जितना किसी अन्य राज्य के लोगों को। सीमावर्ती राज्यों के लोग दिल्ली आते हैं और जीविका कमाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं, जिससे शहर की प्रगति में योगदान होता है। उनके खिलाफ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

राहुल गांधी ने मोहम्मद दीपक को बताया सच्चा देशभक्त

नफरत के खिलाफ खड़े होकर पेश की नई मिसाल

नई दिल्ली : कोटद्वार में मुस्लिम दुकानदार के समर्थन में खड़े हुए जिम संचालक दीपक कुमार को राहुल गांधी ने सच्चा देशभक्त बताया है। मोहम्मद दीपक के नाम से चर्चित दीपक ने बजरंग दल के प्रदर्शन का विरोध किया था। मामले में तीन एफआईआर दर्ज हैं। विवाद के बाद उनका कारोबार प्रभावित हुआ है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उत्तराखंड के कोटद्वार के जिम संचालक दीपक कुमार की सराहना करते हुए उन्हें सच्चा देशभक्त बताया है। राहुल ने कहा कि दीपक ने नफरत के खिलाफ डटकर कमजोर की रक्षा की और इससे बड़ी देशभक्ति कोई नहीं हो सकती। दीपक उस समय चर्चा में आए जब उन्होंने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का विरोध किया, जो कथित तौर पर एक मुस्लिम दुकानदार को परेशान कर रहे थे। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर दीपक कुमार और उनके मित्र विजय रावत के साथ मुलाकात का वीडियो साझा किया। उन्होंने लिखा कि देश में करोड़ों लोगों के दिल में प्रेम और सौहार्द की भावना है, लेकिन मन में डर भी है। दीपक ने अपने साहस से लोगों को रास्ता दिखाया है। जो लोग नफरत फैलाते हैं और समाज को डराते हैं, वे कायर हैं। उनसे डरने की जरूरत नहीं है। राहुल ने कहा कि दीपक ने तिरंगे और संविधान की रक्षा की है। क्या है पूरा मामला? यह घटना 26 जनवरी की है। कोटद्वार के पटेल मार्ग पर स्थित बाबा नाम की कपड़ों की दुकान के बाहर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि 70 वर्षीय दुकानदार वकील अहमद को दुकान का नाम बदलना चाहिए। इसी दौरान झड़प हुई। दुकानदार के बेटे के मित्र दीपक कुमार ने हस्तक्षेप किया और खुद को मोहम्मद दीपक बताते हुए प्रदर्शनकारियों का सामना किया। इसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। दोबारा हुआ प्रदर्शन 31 जनवरी को फिर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता दुकान और दीपक के जिम के बाहर जमा हुए। सड़क जाम की गई और नारेबाजी हुई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात काबू में किए और बड़ा टकराव टल गया। इस पूरे घटनाक्रम में तीन अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। दीपक कुमार 42 वर्ष के हैं और द हल्क नाम से जिम चलाते हैं। उनका कहना है कि इस विवाद के बाद उनका कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। राहुल की मुलाकात और समर्थन राहुल गांधी ने दीपक कुमार से दिल्ली स्थित 10 जनपथ पर मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस नेता वैभव वालिया और अन्य लोग भी मौजूद थे। दीपक की मुलाकात कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी हुई। राहुल ने दीपक की पत्नी से भी बात की और कहा कि डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह कोटद्वार आकर उनसे मिलेंगे। दीपक ने राहुल से कहा कि उन्हें भगवान के अलावा किसी से डर नहीं लगता। राजनीतिक बयानबाजी तेज इस घटना के बाद राहुल गांधी ने कहा कि संघ परिवार जानबूझकर समाज और अर्थव्यवस्था में जहर घोल रहा है ताकि देश बंटा रहे।

2026 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी होली पर्व पर यात्रियों की सुगम यात्रा हेतु अनेक होली विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में माह फरवरी एवं मार्च के लिये 25 फरवरी,2026 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है।

-गोरखपुर से चलने वाली 04021 गोरखपुर-नई दिल्ली विशेष गाड़ी में 28 फरवरी,2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 15, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 65, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 296 एवं शयनयान श्रेणी में 23 तथा 07 मार्च,2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 03 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 156 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोरखपुर से चलने वाली 04513 गोरखपुर-चण्डीगढ़ विशेष गाड़ी में 27 फरवरी,2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 05, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 94, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 164 तथा वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी 81 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोरखपुर से चलने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी विशेष गाड़ी में 27 फरवरी,2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 10 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 72 बर्थ तथा 06 मार्च,2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 21 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 184 उपलब्ध हैं।

-गोरखपुर से चलने वाली 04730 गोरखपुर-श्री गंगानगर विशेष गाड़ी में 27 फरवरी,2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 28 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 56 एवं शयनयान श्रेणी में 215 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोरखपुर से चलने वाली 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महराज टर्मिनस विशेष गाड़ी में 01 मार्च,2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 01 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 89 एवं 02 मार्च,2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 17 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 199 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोरखपुर से चलने वाली 01416 गोरखपुर-पुणे विशेष गाड़ी में 26 फरवरी,2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 21 बर्थ, 27 फरवरी,2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 103 बर्थ, 28 फरवरी,2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 58 बर्थ, 01 मार्च,2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 12, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 192 एवं शयनयान श्रेणी में 10 बर्थ, 02 मार्च,2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 23, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 219 एवं शयनयान श्रेणी में 216 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोरखपुर से चलने वाली 03132 गोरखपुर-सियालदह विशेष गाड़ी में 27 फरवरी,2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 97 बर्थ, 03 मार्च,2026 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 191 बर्थ, शयनयान श्रेणी 469 बर्थ, 06 मार्च,2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 73, शयनयान श्रेणी में 81 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोरखपुर से चलने वाली 03526 गोरखपुर-आसनसोल विशेष गाड़ी में 01 मार्च,2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 179 बर्थ, शयनयान श्रेणी में 462 बर्थ तथा 03 मार्च,2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 191 बर्थ, शयनयान श्रेणी में 521 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोरखपुर से चलने वाली 03528 गोरखपुर-आसनसोल विशेष गाड़ी में 02 मार्च,2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 33, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 190 बर्थ, शयनयान श्रेणी में 581 बर्थ उपलब्ध हैं।

-काठगोदाम से चलने वाली 09076 काठगोदाम-मुम्बई सेण्ट्रल विशेष गाड़ी में 26 फरवरी,2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 79 बर्थ उपलब्ध हैं।

-मऊ से चलने वाली 09196 मऊ-वड़ोदरा विशेष गाड़ी में 01 मार्च,2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 14, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 68, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 315 एवं शयनयान श्रेणी में 170 बर्थ उपलब्ध हैं।

-लालकुंआ से चलने वाली 05045 लालकुंआ-राजकोट विशेष गाड़ी में 01 मार्च,2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 05 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 09 एवं शयनयान श्रेणी में 421 बर्थ, 08 मार्च,2026 को शयनयान श्रेणी में 336 बर्थ, 15 मार्च,2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 09 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 21 एवं शयनयान श्रेणी में 480 बर्थ, 22 मार्च,2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 17 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 38 एवं शयनयान श्रेणी में 519 बर्थ तथा 29 मार्च,2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 01 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 61 एवं शयनयान श्रेणी में 502 बर्थ उपलब्ध हैं।

-मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला विशेष गाड़ी में 05 मार्च,2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 03, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 84 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 265, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी में 77 बर्थ, 12 मार्च,2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 103, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 329, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी में 105 बर्थ, 19 मार्च,2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 105 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 335, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी में 129, शयनयान श्रेणी में 220 बर्थ तथा 26 मार्च,2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 104, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 349, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी में 129, शयनयान श्रेणी में 266 बर्थ उपलब्ध हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से/होकर कुल 80 होली विशेष ट्रेनें 400 फेरों में चलाई जा रही हैं

गोरखपुर, : पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से देश के महानगरों एवं अन्य प्रमुख नगरों के लिये यात्रा करने वाले आरम्भिक यात्रियों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये, रिकॉर्ड संख्या में होली विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। ये ट्रेनें पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से अम्बाला, अमृतसर, चंडीगढ़, कोलकाता, सियालदह, धनबाद, आसनसोल, नई दिल्ली, हैदराबाद, पुणे, मुम्बई, गोंदिया, पुरी, राजकोट, वलसाड, वडोदरा, गुवाहाटी, राँची, श्री गंगानगर, जयपुर, जोधपुर आदि नगरों हेतु चलाई जा रही हैं। होली पर्व के उपरान्त यात्रियों को उनके गंतव्य तक वापसी हेतु बढ़ती मांग को देखते हुये पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से देश के महानगरों एवं अन्य प्रमुख नगरों के लिये 54 होली विशेष ट्रेनें 250 फेरों में चलाई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से होकर देश के प्रमुख नगरों के लिये 26 होली विशेष ट्रेनें 150 फेरों में चलाई जा रही हैं। इस प्रकार, पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से/होकर कुल 80 होली विशेष ट्रेनें 400 फेरों में चलाई जा रही हैं। इन विशेष ट्रेनों से यात्रा का विकल्प चुनकर रेल यात्री अपनी यात्रा को सुगम एवं आनन्ददायक बना सकते है। यात्रियों से अपील है कि यात्रा कार्यक्रम बनाते समय विशेष ट्रेनों में नियमित ट्रेनों के अतिरिक्त भी बर्थों की उपलब्धता की अवश्य जाँच कर लें। यात्रीगण ट्रेनों से सम्बन्धित सभी प्रकार की जानकारी रेलवन ऐप से प्राप्त कर सकते हैं।

मोबाइल की दुकान में चोरी, दो का ताला तोड़ने में असफल रहे चोर

महादेवा। लालगंज थाना क्षेत्र के पाकर डाड़ बाजार में सोमवार की रात चोरों ने एक मोबाइल दुकान का शटर तोड़कर सारा सामान समेट ले गए। चोरी की घटना से व्यापारियों में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, पाकरडाड़ निवासी विकास अग्रहरि की चौराहे पर मोबाइल की दुकान है। विकास ने बताया कि मंगलवार की सुबह करीब चार बजे वह टहलते हुए जब अपने मोबाइल के दुकान का ताला टूटा हुआ देखा तो अवाक रह गए और पुलिस को सूचना दी। विकास के अनुसार, देर रात चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर अंदर रखे कीमती मोबाइल फोन व अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान, एक लाख रुपये नकद तथा लगभग 15 ग्राम सोने की चेन चुरा ले गए। बताया जा रहा है कि उसी रात चोरों ने पाकरडाड़ बाजार में ही दो अन्य मोबाइल दुकानों में भी ताला तोड़ने की कोशिश, मगर सफल नहीं हो सके। गौरतलब है कि दो दिन पहले महादेवा चौराहे पर स्थित बब्बू मोबाइल शॉप में भी चोरी की वारदात हुई थी। इसका अब तक खुलासा नहीं हो सका है। उधर, सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए और जांच-पड़ताल कर नमूने अपने साथ ले गई। थाना प्रभारी लालगंज संजय कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में है। पुलिस टीम गठित कर दी गई है। जल्द ही चोरी की घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

चार दंपती एक साथ रहने के लिए राजी

बस्ती। महिला थाना की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन साथ-साथ टूटते परिवारों को जोड़ने की एक पहल कार्यक्रम के तहत चार दंपती को एक साथ बैठाकर मतभेद दूर किया गया। महिला थाना की प्रभारी निरीक्षक डॉ. शालिनी सिंह ने अपनी टीम के साथ पति-पत्नी के चार जोड़े रंगीता पत्नी राघवेंद्र निवासिनी बेलसुही थाना मुंडेरवा, पूजा पत्नी राजेश निवासिनी रखिया थाना कप्तानगंज, सपना पत्नी मार्कंडेश्वर निवासिनी माट थाना सहजनवा जनपद गोरखपुर और सुभावती पत्नी धर्मेंद्र निवासिनी बिहरा थाना हरैया को बुलाकर एक साथ वार्ता कराया। इन जोड़ों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। चारों जोड़ों ने एक साथ रहकर खुशहाल पूर्वक दंपती जीवन जीने को राजी हुए। थानाध्यक्ष की मौजूदगी में विवाद का पटाक्षेप होने के बाद प्रत्येक जोड़े के बीच लिखित समझौता करवाया गया।

रातभर ढूंढ़ता रहा परिवार, सुबह घायल हालत में घर पहुंचा युवक

पुरानी बस्ती। थाना क्षेत्र के हवेली खास गांव का युवक सोमवार की देर शाम गांव में घूमने निकला। देर रात तक न लौटने पर घर वाले उसकी तलाश गांव व रिश्तेदारों के यहां कर रहे थे। इसी बीच मंगलवार की सुबह युवक घायल अवस्था में घर पहुंचा और गिरकर अचेत हो गया। घर वालों ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराकर पुलिस को तहरीर अज्ञात के खिलाफ मारपीट की तहरीर दी है।हवेली खास गांव के रामरूप ने पुरानी बस्ती थाने में तहरीर देकर बताया कि उनका पुत्र दीपक (30) सोमवार की शाम करीब सात बजे निकला। रात में 10 बजे तक खोजबीन की, लेकिन गांव में कोई पता नहीं मिला। इसके बाद परिजन रिश्तेदारों के घर हैरान परेशान तलाश रहे थे, इसी बीच दीपक सुबह पांच बजे घर घायल अवस्था में पहुंचा। घर वालों ने आनन-फानन डायल 112 को सूचित कर युवक को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराकर पुलिस को तहरीर दी। पुरानी बस्ती थानाध्यक्ष जयदीप दूबे ने बताया कि हवेली खास के रामरूप ने अज्ञात पर मारपीट की तहरीर दी है, युवक अभी अचेत है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद बोले- शंकराचार्य जैसी संस्था को समाप्त करने का रचा जा रहा इतना बड़ा षड्यंत्र

वाराणसी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने पत्रकारों को एक तस्वीर दिखाकर कहा कि शिकायतकर्ता और जांचकर्ता एक साथ केक काट रहे हैं। हमें यह तस्वीर कुछ लोगों ने भेजी है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि शंकराचार्य जैसी संस्था को समाप्त करने का इतना बड़ा षड्यंत्र रचा जा रहा है। यह मामला भारत के दुर्लभतम मामलों में प्रवेश कर रहा है। इस पर पूरे देश को ध्यान देने की जरूरत है। अगर मुझ पर लगाए गए आरोप साबित होते हैं तो फिर शंकराचार्य को इतना बड़ा दंड देना चाहिए जिसे सदियों तक याद रखा जाए। लेकिन अगर आरोप साबित नहीं होते हैं तो शिकायतकर्ता के लिए भी वैसा ही दंड होना चाहिए। ये बातें मंगलवार को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने पत्रकारों से कहीं। उन्होंने कहा कि यह कोई ऐसा

मामला नहीं है कि कोई भी आया और शिकायत करके निकल गया। शंकराचार्य ने एक फोटो दिखाते हुए कहा कि इनका नाम अजय पाल शर्मा है। इस समय इनके अधीन ही जांच चल रही है। इनके साथ दिख रहा व्यक्ति शिकायतकर्ता हिस्ट्रीशीटर है और वह पुलिस के बड़े अफसर के साथ केक काटकर बर्थडे मना रहा है। हमें यह तस्वीर कुछ लोगों ने भेजी है और अब लोग ही कह रहे हैं कि जब जांचकर्ता और शिकायतकर्ता एक साथ केक काटते दिखाई दे रहे हैं तो क्या जांच होगी। जब यह पहले से ही मिले हैं इनसे न्याय की क्या उम्मीद कर सकते हैं। शिकायतकर्ता बच्चों के बारे में शंकराचार्य ने कहा कि सबसे बड़ी बात उन बच्चों से हमारा क्या कनेक्शन, जो बच्चे कभी हमारे सामने नहीं आए जिन्हें मैं जानता नहीं हूं। एक सवाल के जवाब में कहा कि अधिवक्ताओं का पैनल बना दिया है वह कोर्ट में अपनी बात रख रहे हैं। कहा कि अभी तक कोई जांच एजेंसी उनसे पूछताछ करने नहीं आई है। उघरहिं अंत न होइ निबाहू। कालनेमि जिमि रावन राहू शंकराचार्य ने रामचरित मानस के बालकांड की चौपाई उघरहिं अंत न होइ निबाहू। कालनेमि जिमि रावन राहू का जिक्र करते हुए कहा कि यह बताती है कि कपट या ढोंग का अंत निश्चित है। पाखंडी का भेष (वेश) ज्यादा दिनों तक नहीं चलता और अंत में सच्चाई सामने आ ही जाती है, जैसे कालनेमि, रावण और राहु के कपट का अंत हुआ था। झूठ बोलने वालों की कलही भी ऐसे ही खुलेगी। क्या देश के पीएम, राष्ट्रपति को नहीं पता उनके देश का शंकराचार्य दुराचारी हो गया शंकराचार्य ने एक सवाल के जवाब में व्यंग्य करते हुए कहा कि क्या ये देश प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति का नहीं है, उन्हें नहीं पता कि उनके देश का शंकराचार्य दुराचारी हो गया। दूसरा प्रश्न यह कि शंकराचार्य जैसे निष्कलंक व्यक्ति पर कहानी बनाकर यह सब बातें कहना, क्या यह वह समझ नहीं रहे हैं।

बीकॉम और एमकॉम सहित हेरिटेज कॉन्फ्लिक्ट कोर्स में भी मिला प्लेसमेंट

वाराणसी। आईआईटी और बीएचयू में कैंपस प्लेसमेंट की प्रक्रिया के बीच लॉन्च ईडी ग्लोबल और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने छह मेधावियों को ऑफर दिए। इस दौरान बीकॉम और एमकॉम सहित हेरिटेज कॉन्फ्लिक्ट कोर्स में भी मिला। आईआईटी और बीएचयू दोनों जगह पर कैंपस प्लेसमेंट की प्रक्रिया जारी है। अब बीकॉम, एमए डिग्रियां लेने वालों के साथ ही हेरिटेज और कॉन्फ्लिक्ट मैनेजमेंट के भी छात्र-छात्राओं को ऑफर मिलने लगे हैं। बीएचयू में पांच से ज्यादा छात्र-छात्राओं को एजुकेशन टेक कंपनी लॉन्च ईडी ग्लोबल की ओर से ऑफर्स मिले हैं। एमए इन कॉन्फ्लिक्ट मैनेजमेंट एंड डेवलपमेंट के छात्र सौरभ कुमार गुप्ता, एमए इकोनॉमिक्स की आयुषी पांडेय, बीकॉम ऑनर्स के उत्कर्ष सिंह, एमए हेरिटेज मैनेजमेंट के सुमित रंजन और एमकॉम के मनीष गुप्ता का लॉन्च ईडी ग्लोबल कंपनी में चयन हुआ है। ये सभी विद्यार्थी सामाजिक

विज्ञान संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से चयनित हुए हैं। इनके अलावा आईआईटी बीएचयू के छात्र सिद्धांत को हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड कंपनी की ओर से भी ऑफर मिला है। दूसरी ओर आईआईटी की तर्ज पर अब बीएचयू में भी प्लेसमेंट और ट्रेनिंग से जुड़ीं छात्रों की कई टीमें बनने लगी हैं। 14 छात्र-छात्राओं की तीन टीमें गठित की गईं हैं। बीएचयू के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में एमबीए एग्री बिजनेस का स्टूडेंट लीडरशिप प्रोग्राम लॉन्च किया गया है। आईआईटी बीएचयू की तरह से ही बीएचयू में भी अब प्लेसमेंट की जिम्मेदारी दी जाने लगी है। सामाजिक विज्ञान के बाद अब मैनेजमेंट में भी छात्र-छात्रा कैंपस प्लेसमेंट कराएंगे। 2025-27 बैच के प्लेसमेंट के लिए 14 छात्र-छात्राओं की तीन समितियां और टीम गठित की गई हैं। छह छात्रों की एक समर इंटर्नशिप प्लेसमेंट एसआईपी टीम बनाई गई है। इसका काम इंडस्ट्री और एकेडमिक्स को कनेक्ट करना होगा। छह छात्रों की तकनीकी टीम और दो छात्रों की लॉजिस्टिक टीम जमीनी स्तर पर टास्क का क्रियान्वयन करेगी।

विदेशी जोड़े ने गंगा की लहरों के बीच रचाई शादी, नाव पर सजी मंडप में लिए सात फेरे

वाराणसी। वाराणसी में मेक्सिको के रुईज और गोंजालो ने गंगा की लहरों के बीच शादी की। उन्होंने सनातनी परंपरानुसार नाव पर सजी मंडप में सात फेरे लिए। काशी में सनातनी परंपरानुसार मंगलवार को एक विदेशी जोड़े ने शादी रचाई। अस्सी घाट पर गंगा की बीच धारा में वैदिक विधि-विधान से विवाह हुआ। गंगा की धारा में नाव पर सजी मंडप में जोड़े ने सात फेरे लिए। वैदिक मंत्रोच्चार और शास्त्रोक्त परंपराओं विवाह की रस्में निभाई गईं। देखें- तस्वीरें मेक्सिको सिटी निवासी रुईज कब्रोल और गोंजालो मिगुल लंबे समय से भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं से प्रभावित थे। उन्होंने अपने वैवाहिक जीवन की शुरूआत काशी में करने का निर्णय लिया। आचार्य दीपक पांडेय ने शादी करवाई। दूल्हा-दुल्हन पारंपरिक भारतीय परिधान में नजर आए।

फैक्टरी के लिए निकले युवक की संदिग्ध मौत, आखिरी कॉल में कहा था- काम पर हूं

कानपुर। पनकी में फैक्टरी कर्मी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में रेलवे ट्रैक पर मिला है। भाई ने हत्या का आरोप लगाते हुए कहा कि फोन पर ड्यूटी पर होने की बात कही थी। कुछ देर बाद ही शव मिलना साजिश की ओर इशारा करता है। कानपुर में पनकी थाना क्षेत्र में सोमवार को फैक्टरी में ड्यूटी करने निकले युवक का रेलवे ट्रैक किनारे रक्तरंजित शव पड़ा मिला। मंगलवार सुबह तक घर न लौटने पर युवक के परिजन पुलिस के पास पहुंचे, तो उन्होंने शव मिलने की जानकारी दी। मोबाइल पर फोटो दिखाकर युवक की पनका बहादुर निवासी कृष्ण (22) के रूप में शिनाख्त कराई। बड़े भाई रामजी ने हत्या का आरोप लगाया है। उनके अनुसार सोमवार रात 10:10 पर कृष्ण से फोन पर बात हुई थी। उसने बताया था कि वह फैक्टरी में नाइट ड्यूटी पर है।

छात्र की मौत के बाद कैंपस बना अखाड़ा; शांति मार्च के बाद जमकर हुआ हंगामा और तोड़फोड़

कानपुर। मंगलवार को हादसे में छात्र की मौत के बाद पीएसआईटी में छात्रों ने जमकर तोड़फोड़ और हंगामा किया। छात्रों की मांग है कि कॉलेज के समय में परिसर के भीतर निर्माण कार्य पर पूरी तरह रोक लगाई जाए। कानपुर में पनकी स्थित पीएसआईटी कॉलेज में एक छात्र की दर्दनाक मौत के बाद बुधवार को माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया। साथी छात्र की मौत से आक्रोशित हजारों छात्रों ने पहले कैंपस में शांति मार्च निकाला, लेकिन देखते ही देखते यह प्रदर्शन उग्र हो गया। गुस्साए छात्रों ने कॉलेज परिसर में तोड़फोड़ शुरू कर दी। छात्रों ने कैंपस के शीशे तोड़ दिए, गमले फेंक दिए और फर्नीचर को नुकसान पहुंचाया। आरोप है कि कॉलेज परिसर में चल रहे निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

दो पक्षों में मारपीट, नौ लोगों पर एफआईआर दर्ज

बस्ती। कोतवाली क्षेत्र के पतेलवा मोहल्ले में सोमवार की रात दो पक्षों में जमकर घमासान हुआ। मामले में पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है। इसके अलावा 15 अज्ञात महिलाएं और 40-45 अन्य पर भी एफआईआर दर्ज किया है। पुलिस को दिए तहरीर में पीड़ित पक्ष के अखिलेश यादव ने बताया कि उनके मकान पर हनुमान जी का हवन लगा हुआ है। सोमवार की शाम पड़ोसी गुड्डू के घर का एक बच्चा उनके घर पर पत्थर फेंक रहा था। मना करने पर वे लोग एकजुट होकर उनके घर पर हमला बोल दिए। इस दौरान ईट-पत्थर, लाठी डंडा और लोहे की रॉड से उन्हें मारने लगे लगे। बीच बचाव करने आए उनके भाई आलोक यादव, पत्नी सुनीता यादव तथा किराएदार प्रतिक्षा द्विवेदी, गोपाल धर द्विवेदी, देवेश द्विवेदी, रूपेश द्विवेदी, स्ट्रॉश द्विवेदी को भी मारा पीटा गया। महिलाओं के कपड़े तक फाड़ दिए। पुलिस ने इस मामले में पूर्व सभासद अब्दुल्ला, उनके बेटे तालिब, पक्कू ड्राइवर, नोमान, फैजान, कल्लू, मकी, सद्दाम, गुड्डू के अलावा 15 अज्ञात महिलाएं और 40 अन्य लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है।

कार की टक्कर से अधेड़ की मौत

छावनी। विक्रमजोत के पास हाईवे पर बेकाबू कार घर के सामने फर्नीचर की दुकान पर खड़े अधेड़ को टक्कर मारने के बाद आगे खड़े ट्रॉला में भीड़ गई। गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, छावनी थाना क्षेत्र के शंकरपुर गांव निवासी अब्दुल कादिर (52) सोमवार की देर रात अपने घर के सामने फर्नीचर की दुकान पर खड़ा था। इसी बीच अयोध्या से बस्ती की तरफ से जा रही तेज रफ्तार कार उसके टक्कर मारते हुए हाईवे के किनारे खड़े ट्रेलर में पीछे से जा टकराई। घायल अब्दुल कादिर को परिवार के लोग इलाज के लिए सीएचसी विक्रमजोत ले गए, जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद अयोध्या मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। अयोध्या में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि मृतक की पत्नी आसमा की तहरीर पर कार चालक पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

पहली पाली में आठ और दूसरी में 80 केंद्रों पर हुई परीक्षा

बस्ती। यूपी बोर्ड हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा में मंगलवार को काफी राहत महसूस की गई। महत्वपूर्ण विषयों की परीक्षा न होने के कारण परीक्षार्थियों की संख्या कम रही। इसीलिए सुबह की पाली में महज आठ केंद्रों पर परीक्षा कराई गई। जबकि द्वितीय पाली में 130 में से कुल 80 केंद्रों पर परीक्षा कराई गई। सुबह की पाली में हाईस्कूल की परीक्षा नहीं हुई। इस दौरान आठ केंद्रों पर इंटरमीडिएट कृषि वनस्पति विज्ञान एवं कृषि अर्थशास्त्र विषय की परीक्षा कराई गई। इसमें पंजीकृत 233 विद्यार्थियों में 225 उपस्थित हुए। जबकि आठ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसके अलावा द्वितीय पाली में 80 केंद्रों पर इंटरमीडिएट अर्थशास्त्र विषय की परीक्षा कराई गई। इसमें पंजीकृत 1534 में से 1448 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि, 86 परीक्षार्थी अनुपस्थित हो गए। काफी कम संख्या में विद्यार्थियों की परीक्षा होने के नाते सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेट की भागदौड़ कम देखी गई। इस दौरान कंट्रोल रूम से सभी केंद्रों की लाइव निगरानी की गई।

आरोप-प्रत्यारोप के बाद दोनों पक्षों में समझौता

बस्ती। नगर पंचायत हरैर्या में एक दिन पहले हुए विवाद का अगले दिन मंगलवार को पटाक्षेप हो गया। थानाध्यक्ष हरैर्या तहसीलदार सिंह ने बताया कि थाने में तहरीर देकर नगर पंचायत अध्यक्ष पर मारने पीटने का आरोप लगाने वाले एंबुलेंस चालक करुणेश कुमार पांडेय ने मंगलवार को अपनी शिकायत वापस ले ली है। जबकि नगर पंचायत कार्यालय के एक अन्य कर्मचारी ने भी एंबुलेंस चालक की पत्नी के खिलाफ दिए गए प्रार्थना पत्र को भी वापस ले लिया है। पुलिस के अनुसार दोनों पक्षों में सुलह समझौता हो गया है। अब दोनों पक्षों के बीच कोई विवाद नहीं बताया जा रहा है। पुलिस की पूछताछ में भी दोनों ने आपसी सामंजस्य होने की बात स्वीकार की है। एंबुलेंस चालक ने लिखकर दिया है कि नगर पंचायत अध्यक्ष से उनकी एक दिन पहले केवल कहासुनी हुई थी। कुछ लोगों के कहने पर उन्होंने थाना हरैर्या में तहरीर दे दी थी। उनके द्वारा लगाए गए आरोपों पर वह कोई कानूनी कार्रवाई नहीं चाहते हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष और उनके बीच सुलह-समझौता हो गया है। हम दोनों के बीच अब कोई विवाद नहीं है। आपसी सामंजस्य बन गया है। बताया कि नगर पंचायत कार्यालय के एक कर्मचारी की ओर से उनकी पत्नी के खिलाफ दिए गए शिकायती पत्र को भी वापस ले लिया गया है। जबकि नगर पंचायत अध्यक्ष का कहना है कि मारने-पीटने की बात एकदम झूठी है। हमने ऐसा कोई कृत्य नहीं किया है। एंबुलेंस चालक किसी के बहकावे में आकर झूठा आरोप लगा दिए थे। उनसे वार्ता होने के बाद वह शिकायत वापस लेने पर राजी हो गए। उनके राजनैतिक विरोधी उनके खिलाफ अक्सर इस तरह का षड़यंत्र करते रहते हैं।

धारदार हथियार से युवक पर हमला

नगर बाजार (बस्ती)। थाना क्षेत्र के ग्राम गोटवा बाजार में आपसी विवाद में एक युवक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला करने का आरोप लगा है। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल के भाई की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।ग्राम गोटवा बाजार निवासी मन्नू गुप्ता ने नगर पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि सोमवार की रात करीब 10 बजे पटीदार प्रकाश, अनीस, आकाश व राज बहादुर ने पुरानी रंजिश को लेकर विवाद शुरू कर दिया। आरोप है कि कहासुनी के दौरान आरोपियों ने धारदार हथियार से लैस होकर बड़े भाई शिवबहादुर पर जानलेवा हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर गए। उसने आरोप लगाया कि प्रकाश ने भाई के गले और सिर पर चाकू से हमला कर दिया। शोर सुनकर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आनन-फानन गंभीर रूप से घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। इस संबंध में थाना प्रभारी नगर भानु प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों की तलाश जारी है।

एचटी तार टूट कर गिरा, गन्ने की फसल जली

वाल्टरगंज। बिजली निगम की लापरवाही किसानों के लिए मुसीबत का सबब बनने लगी है। कटहापुर गांव में हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर गिरने से सोमवार की रात गन्ने की फसल में आग लग गई। गांव के कृष्णा चौधरी, अमन चौधरी, प्रेमचंद मौर्या, मोनू चौधरी आदि ग्रामीणों का आरोप है कि गाऊखोर बिजली उपकेंद्र के तहत आने वाले कटहापुड गांव में तार बेहद पुराने और जर्जर हो चुके हैं। कई जगह पर हाईटेंशन लाइन जमीन से मात्र पांच फिट की दूरी पर लटक रही है। सोमवार की रात हुए हादसे के बाद बिजली निगम ने आनन-फानन में तार तो जोड़ दिया, लेकिन किसान ओम प्रकाश चौधरी की खेत में खड़ी गन्ना की फसल जलकर राख हो गई।

मित्सुई प्रबंधन के साथ चर्चा, यूपी में निवेश का न्यौता

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश को भविष्य की अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान दौरे के पहले दिन वैश्विक निवेश संवाद की मजबूत शुरूआत की। जापान की राजधानी टोक्यो पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री ने जापान की वैश्विक ट्रेडिंग और निवेश कंपनी मित्सुई एंड कंपनी लि के प्रबंधन से मुलाकात कर उत्तर प्रदेश में परिवर्तनकारी निवेश अवसरों को तलाशने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से चार प्रमुख क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को रेखांकित किया, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा के तहत सोलर, बायो-एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन और ऊर्जा भंडारण परियोजनाएं शामिल हैं। दूसरी ओर आईसीटी के तहत आईटी पार्क, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल सर्विसेज और स्टार्टअप इकोसिस्टम में निवेश पर चर्चा हुई। तीसरा सेक्टर सेमीकंडक्टर का रहा, जिसमें चिप निर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स वैल्यू चेन का विस्तार प्रमुख रहे। वहीं चौथा सेक्टर डेटा सेंटर रहा, जिसमें हाइपर-स्केल डेटा सेंटर, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल कनेक्टिविटी हब जैसे क्षेत्रों में निवेश को लेकर गहन विमर्श हुआ।

श्रीराम मंदिर चुनावः गोविन्द अध्यक्ष और दीपक जैन महामंत्री बने

ग्वालियर। श्री ग्वालियर वालान अग्रवाल पंचायत (श्रीराम मंदिर फालका बाजार) के द्विवार्षिक चुनाव मंगलवार को निर्वाचन अधिकारी पुरुषोत्तम दास जैन के देखरेख में हुए। दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक चले मतदान में 166 सदस्यों में से 145 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव में गोविन्द प्रसाद बंसल अध्यक्ष और दीपक जैन महामंत्री पद पर निर्वाचित हुए। कोषाध्यक्ष पद पर नरेन्द्र कुमार मंगल और रूप कुमार जैन व लेखा निरीक्षक पर मोहनलाल गर्ग निर्विरोध निर्वाचित हुए। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि कार्यकारिणी का चयन बुधवार को होगा।

किसे मिले कितने मत

अध्यक्ष पद
-गोविंद प्रसाद बंसल 87 मत (विजयी)
-राम किशन सिंघल 52 मत (पराजित)

उपाध्यक्ष
- शालिगराम गोयल 86 मत (विजयी)
- रवि मित्तल 59 मत (विजयी)
- लक्ष्मणदास सिंघल 54 मत (पराजित)
- श्याम बंसल 50 मत (पराजित)

महामंत्री पद
- दीपक जैन 86 मत (विजयी)
- योगेश गर्ग 54 मत (हारे)

संयुक्त मंत्री
- गोविन्द बंसल 77 मत (विजयी)
- मुरारी लाल अग्रवाल 55 मत (हारे)

भण्डारी :-
- मोहनलाल अग्रवाल 87 मत (विजयी)
- चन्द्रकांत सिंघल 49 (हारे)

उत्सव मंत्री
- दीपक मंगल 85 मत (विजयी)
- संतोष अग्रवाल 51 मत (हारे)

सामूहिक विवाह सम्मेलन 14 को

जाग्रति नगर लक्ष्मीगंज स्थित नारायण वृद्ध आश्रम में 14 मार्च को 11 अनाथ कन्याओं का सर्वजातीय सामूहिक विवाह कराया जाएगा। सभी कन्याओं को उपहार में गृहस्थी में उपयोग होने वाला सामान दिया जाएगा।

गुरुद्वारा में कीर्तन दरबार आज

गुरुद्वारा दाता बंदी छोड़ किला पर 25 फरवरी बुधवार को सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक कीर्तन दरबार सजाया जाएगा। जिसमें भाई जगजीत सिंह 'बबीहा' व भाई हरप्रीत सिंह आगरा वाले कीर्तन कर संगत को निहाल करेंगे। इसके लिए फूलबाग गुरुद्वारे से किले पर जाने के लिए सुबह 10 बजे बस सेवा उपलब्ध रहेगी।

होली पर थमेगा पहिया! 2 मार्च से बस ऑपरेटरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल

■ ग्वालियर

होली से ठीक पहले परिवहन व्यवस्था पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। बस ऑपरेटर यूनियन ग्वालियर एवं चंबल संभाग सहित प्रदेश के के बस ऑपरेटर 2 मार्च से प्रदेश सरकार की परिवहन नीति के विरोध में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा रहे हैं। महामंत्री हरिशंकर सिंह पटेल ने बताया कि सरकार की इस नीति से हमारे परमिट शून्य हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा परमिट देने का काम एक निजी कंपनी को दिया जा रहा है जिसका हम सब विरोध करते हैं।

30 हजार बसों के पहिए थमने की संभावना

जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश में लगभग 30 हजार और ग्वालियर में करीब ढाई हजार बसों का संचालन ऑपरेटरों द्वारा किया जाता है। हड़ताल की स्थिति में बसों का संचालन प्रभावित होगा। चूंकि 2 मार्च से होली का पर्व भी शुरू हो रहा है, ऐसे में यात्रियों को अपने गृह नगर पहुंचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बस का संचालन ठप होने से रेलवे पर अतिरिक्त दबाव बढ़ने की संभावना है।

वेतन और एरियर के लिए आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों की न्याय यात्रा आज

■ 9 सूत्रीय मांगों को लेकर भोपाल में जंगी प्रदर्शन

■ ग्वालियर

शासकीय अस्पतालों एवं चिकित्सा महाविद्यालयों से संबद्ध अस्पतालों में कार्यरत आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी समय पर वेतन और लंबित एरियर के भुगतान सहित 9 सूत्रीय मांगों को लेकर 25 फरवरी को भोपाल में जंगी प्रदर्शन करेंगे। ग्वालियर से कर्मचारी मंगलवार को भोपाल के लिए रवाना हो गए। प्रदर्शन स्वास्थ्य संचालनालय, जय प्रकाश चिकित्सालय परिसर में होगा, जहां से न्याय यात्रा निकालकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

मप्र संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष कोमल सिंह ने आरोप लगाया कि शासन द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। कर्मचारियों को न समय पर वेतन मिल रहा है और न ही एरियर का भुगतान हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लगभग 30 हजार आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी शासकीय अस्पतालों में सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उनके श्रम अधिकारों की अनदेखी की जा रही है।

हड़ताल के बाद भी नहीं मिला एरियर

जयारोग्य अस्पताल के आउटसोर्स कर्मचारियों ने जनवरी में हड़ताल की थी। इसके बाद प्रशासन की मौजूदगी में कंपनी द्वारा एक माह के भीतर एरियर भुगतान का लिखित आश्वासन दिया गया था, लेकिन निर्धारित समय बीतने के बावजूद भुगतान नहीं हुआ। कर्मचारियों का आरोप है कि हड़ताल में शामिल कुछ कर्मियों का अन्य मेडिकल कॉलेजों में स्थानांतरण भी कर दिया गया।

कई जिलों में 4-5 माह से वेतन लंबित

प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि प्रदेश के कई जिलों में 4 से 5 माह तक वेतन लंबित है, जिससे हजारों परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। श्रम विभाग की गाइडलाइन के अनुरूप भुगतान नहीं किया जा रहा है। संघ पदाधिकारियों के अनुसार मुख्यमंत्री मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला एवं विभागीय अधिकारियों के समक्ष कई बार मांगें रखी जा चुकी हैं, लेकिन समाधान नहीं हुआ।

टोल प्लाजा पर गोलियां चलाने वालों की तलाश में जुटी पुलिस

■ लम्बे समय से भिंड के लोग संत हाईवे बनाने की कर रहे है मांग

■ ग्वालियर

भिंड ग्वालियर हाइवे पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटना के बाद अब लोगों का गुस्सा चरम परपहुंच गया है। गुस्साए युवकों ने बरैठा टोल प्लाजा पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर चेतावनी दी थी कि या तो टोल हटाओ या हाइवे बनाओ। गोलियां चलाने वाले दोनों युवकों की एक दिन बीत जाने के बाद भी पहचान नहीं हो सकी है। हालांकि पुलिस दावा कर रही है कि जल्दी ही गोलियां चलाने वालों को पकड़ लिया जाएगा।

महाराजपुरा थाना क्षेत्र स्थित बरैठा टोल प्लाजा पर सोमवार शाम को मोटर साइकिल सवार युवक ने ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर सनसनी फैला दी थी। गोलियां चलाने वाले युवक और उसके साथी ने एक पत्र भी टोल प्लाजा पर फेंका था जिसमें लिखा था कि या तो हाइवे बनाओ या टोल हटाओ। आकाश जैसा अब कोई नहीं मरेगा। हेलमेट पहने युवक ने जिस अंदाज में गोलियां चलाई हैं उससे कयास लगाया जा रहा है कि गोलियां चलाने वाले संभवतः भिंड के हो सकते हैं। पुलिस आरोपितों की पहचान में सीसीटीवी खंगाल रही है। हालांकि पुलिस के हाथ कोई खास सबूत नहीं लगे हैं लेकिन पुलिस दावा कर रही है कि गोली चलाने वालों की पहचान जल्दी ही कर ली जाएगी। मंगलवार को टोल पर काम करने वाले कर्मचारी भी सकते में थे कि कहीं यह हाइवे की मांग को लेकर कोई और हमला न कर दें। पुलिस भी गोलियां चलाकर भागे दोनों युवकों की तलाश में सरगर्मी से जुटी हुई है। इस संबंध में महाराजपुरा थाना प्रभारी यशवंत गोयल का कहना है कि अभी तक गोलियां चलाने वालों की पहचान नहीं हो सकी है।

कॉम्बिंग गश्त : 271 वारंटियों को पकड़ा 357 गुंडे व हिस्ट्रीशीटरों के घर पहुंची पुलिस

■ ग्वालियर

अपराधियों को काबू में रखने के लिए पुलिस मंगलवार की देर रात वारंटियों और हिस्ट्रीशीटरों के घर पहुंची। कॉम्बिंग गश्त में पुलिस ने 271 वारंटियों को पकड़ा। आरोपियों में कोई घर में सो रहा था तो कोई बाहर घूम रहा था। उटीला पुलिस ने हत्या के प्रयास में 7 महीने से फरार चल रहे आरोपी को पकड़ा। अवैध शराब बेचने वालों पर इस दौरान पुलिस की खास नजर रही। पुलिस थाना सिरोल, गिजौर्रा, भितरवार, मोहना, बेहट में अवैध शराब के 1-1 एवं डबरा देहात में अवैध शराब के 2 प्रकरण दर्ज किए गए। कॉम्बिंग गश्त के दौरान एसएसपी धर्मवीर सिंह भी नजर रख रहे थे।

जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने व आदतन अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात शहर व देहात के थाना क्षेत्रों में देर रात तक कॉम्बिंग गश्त किया गया। गश्त के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विदिता डागर, अनु बेनीवाल, सुमन गुर्जर, जयराज कुबेर एवं पुलिस के अन्य अधिकारियों ने गुंडे-बदमाशों के घर पहुंचकर उनकी जानकारी ली कि इस समय वह क्या कर रहे हैं। पुलिस की निगाहें उन बदमाशों पर थीं, जिनके खिलाफ स्थायी वारंट निकले हुए हैं। पुलिस ने जब बदमाशों के घर की कुंडी खटखटाई तो कोई सोता हुआ मिला तो किसी के परिजनों ने बहानेबाजी शुरु कर दी कि घर पर है नहीं। पुलिस ने जब अंदर झांका तो छिपते हुए नजर आए, जिनकी गर्दन पुलिस ने दबोच ली। 271 वारंटियों को पकड़कर हवालात पहुंचा दिया। पुलिस 357 गुंडे व हिस्ट्रीशीटरों के घर पहुंची।

हत्या के प्रयास का आरोपी पकड़ा

उटीला थाना पुलिस जब गश्त कर रही थी तो हत्या के प्रयास का आरोपी बाहर घूमता हुआ मिल गया। आरोपी धीरज जाटव जुलाई महीने से पुलिस को गच्चा दे रहा था। कुशवाह और जाटव समाज के झगड़े के दौरान इसने एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया था। तभी से फरार था।

युवती के विवाह से नाराज परिजनों ने युवक के मकान को जेसीबी से तोड़ा

■ छह माह बाद हुई मकान तोड़ने वालों पर प्राथमिकी

■ ग्वालियर

युवती के घर से भागकर प्रेम विवाह करने से नाराज उसके मामा और परिजनों ने मिलकर युवक के मकान को जेसीबी से धराशायी कर दिया। हमलावरों ने युवक के परिजनों के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। मकान तोड़ने से पीड़ित को आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए छह माह का लंबा इंतजार करना पड़ा। पुलिस ने तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

घाटीगांव थाना क्षेत्र स्थित ग्राम घेंघौली में रहने वाले रामलखन पुत्र रामबरन सिंह गुर्जर ने बिजौली सिरोली की रहने वाली युवती से घर से भागकर प्रेम विवाह कर लिया था। सितम्बर 2025 में रामलखन व युवती घर से फरार हो गए थे। युवती के मामा ग्राम घेंघौली में रहते हैं जब उनको इस बात का पता चला तो वह आग बबूला हो गए। 9 सितम्बर 2025 को गिर्राज पुत्र केदार सिंह गुर्जर निवासी सिरोली बिजौली, भूपेन्द्र पुत्र सिद्धार गुर्जर, भारत पुत्र रामगोविन्द गुर्जर, हाकिम पुत्र राम किशन गुर्जर, कप्तान पुत्र लक्खा गुर्जर, राजेन्द्र उर्फ राजू पुत्र सुल्तान गुर्जर, सतीश पुत्र हाकिम गुर्जर निवासीगण ग्राम घेंघोली जेसीबी लेकर रामलखन के घर पहुंच गए। सभी लोगों ने एक राय होकर रामलखन के मकान को जेसीबी से तहस नहस कर जमींदोज कर दिया। रामलखन के बड़े भाई बनिया गुर्जर ने मकान तोड़ने का विरोध किया तो उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दे डाली। मकान तोड़ने से बनिया बेघर हो गया और उसने पुलिस को अपनी शिकायत सुनाई लेकिन उसकी कहीं सुनवाई नहीं हुई। न्यायालय मेंपरिवार लगाने पर उसकी फरियाद को सुना गया। छह माह के बाद पुलिस ने बनिया की शिकायत पर मकान तोड़ने वालों के खिलाफ धारा 332 (सी) 296 (ए) 324 (5) 351 (2) 3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

इनका कहना है

युवती को बरामद करने के बाद परिजनों को सौंप दिया था बाद में उसने रामलखन से विवाह कर लिया था। इसी बात को लेकर युवती के मामा और परिजनों ने फरियादी के मकान को जेसीबी तोड़ दिया था।

पूरन शर्मा
घाटीगांव थाना प्रभारी

व्यापमं कांड के संदिग्ध छात्र पर धमकी का आरोप

■ सीबीआई अधीक्षक से सुरक्षा की गुहार

■ ग्वालियर

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय में वर्ष 2010 बैच के एक संदिग्ध छात्र पर स्टूडेंट शाखा में पदस्थ बाबू को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। मामले को लेकर संबंधित कर्मचारी ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के भोपाल स्थित पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत भेजकर सुरक्षा की मांग की है।

शिकायतकर्ता प्रशांत चतुर्वेदी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि वे वर्ष 2012 से महाविद्यालय की यूजी स्टूडेंट शाखा में पदस्थ हैं। उनके अनुसार पीएमटी प्रवेश वर्ष 2006 से 2012 तक के संदिग्ध छात्रों के मूल दस्तावेजों की जब्ती की कार्रवाई झांसी रोड थाने में कराई गई थी। साथ ही इन दस्तावेजों को सीबीआई को भी विधिवत सौंपा गया। उन्होंने बताया कि वे संबंधित प्रकरणों में गवाह भी हैं, जिसके चलते उन्हें लगातार दबाव और धमकी का सामना करना पड़ रहा है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2010 बैच के संदिग्ध छात्र संदीप लहारिया ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी है। शिकायतकर्ता ने आशंका जताई है कि प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण उन पर दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने सीबीआई अधीक्षक से आरोपी की जमानत निरस्त कराने तथा स्वयं को पुलिस संरक्षण उपलब्ध कराने की मांग की है। उक्त मामला सामने आने के बाद एक बार फिर व्यापमं से जुड़े प्रकरणों को लेकर सुरक्षा और गवाह संरक्षण के मुद्दे को चर्चा में ला दिया है।

आईटीएम में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

ग्वालियर। आईटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज द्वारा 25 व 26 फरवरी को 11वां राष्ट्रीय सम्मेलन रेस (रीसेंट एडवांसेज इन केमिकल एंड एनवायरमेंटल साइंसेज) का आयोजन उस्ताद अल्लाउद्दीन खान ऑडिटोरियम में किया जाएगा। सम्मेलन का उद्देश्य रासायनिक विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के समन्वय से नवीन शोध, प्रगति और अनुप्रयोगों पर विचार-विमर्श करना है। कार्यक्रम में ऑनलाइन-ऑफलाइन ओरल एवं पोस्टर प्रस्तुतिकरण तथा मॉडल प्रदर्शन होंगे। सम्मेलन चार प्रमुख ट्रैक–स्मार्ट केमिस्ट्री फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर, जैव प्रौद्योगिकी व स्वास्थ्य विज्ञान में एआई, खाद्य प्रौद्योगिकी में एआई तथा आधुनिक फोरेंसिक विज्ञान में एआई नवाचार–पर केंद्रित रहेगा। मुख्य अतिथि के रूप में सोम्य दत्ता (दिल्ली) शामिल होंगे। साथ ही प्रो. राजकुमार आचार्य, प्रो. नीलिमा चंदेल, प्रो. आईके पात्रो, डॉ. जस्मती सिंह, प्रो. देवाशीष, डॉ. निशीथ धारिया, प्रो. आरके सारीन, डॉ. फैयाज अहमद, डॉ. असगर नबाव, डॉ. आकाश सक्सेना व डॉ. सुमन दास सहित देशभर के वैज्ञानिक एवं शिक्षाविद् भाग लेंगे। सम्मेलन की समन्वयक डॉ. ऋचा कोठारी हैं।

वेदांती फिटनेस सेंटर की जांच रिपोर्ट भेजेंगे परिवहन आयुक्त को

ग्वालियर। ग्वालियर के रायरू स्थित वेदांती ऑटोमेटेड फिटनेस सेंटर में रिश्वतखोरी और फर्जीवाड़े की शिकायतों के बाद, परिवहन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए इसका लाइसेंस एक महीने के लिए निलंबित कर दिया है। सेंटर पर बिना जांच किए फिटनेस सर्टिफिकेट जारी करने और एक ही चेसिस नंबर पर कई वाहनों को पास करने के गंभीर आरोप थे। संयुक्त परिवहन आयुक्त (शिकायत) किरण शर्मा ने बताया कि शिकायत के बाद एक महीने के लिए वेदांती फिटनेस सेंटर को बंद कर दिया गया था। सेंटर की जांच की गई, इसमें जो कमियां निकली थी, यदि उसमें सुधाकर कर लिया गया होगा तो उसकी रिपोर्ट बनाकर परिवहन आयुक्त के पास भेजी जाएगी, उसके बाद वे निर्णय लेंगे, फिटनेस सेंटर शुरू किया जाएगा या नहीं। फिटनेस सेंटर के कर्मचारी रिश्वत लेकर वाहनों के फिटनेस सर्टिफिकेट जारी कर रहे थे, उसका वीडियो वायरल होने के बाद कार्रवाई कर फिटनेस सेंटर को बंद कर दिया गया था। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी विक्रमजीत सिंह कंग ने मामले की जांच के बाद सेंटर का लाइसेंस निलंबित किया। परिवहन आयुक्त ने गहन जांच के आदेश दिए हैं, जिसमें बड़े पैमाने पर अनियमितताएं एक चेसिस पर 5 गाडियां उजागर हुई थी।

सुंदरकाण्ड के साथ मेला का समापन आज अधिकारी और कर्मचारी होंगे सम्मानित

■ ग्वालियर

62 दिन चले ग्वालियर व्यापार मेला का औपचारिक समापन बुधवार को होने जा रहा है। मेला सचिव सुनील त्रिपाठी ने बताया कि मेले के फैसिलिटेशन सेंटर में शाम को 5 बजे सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन किया जाएगा। सुंदरकाण्ड का पाठ संभागीय आयुक्त मनोज खत्री, जिला प्रशासन, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों एवं मेला व्यापारी संघ के पदाधिकारियों द्वारा एक साथ किया जाएगा। समापन समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को संभागीय आयुक्त प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करेंगे। ग्वालियर व्यापार मेला की शुरूआत 25 दिसंबर से हुई थी।

28 से विद्युत आपूर्ति बंद: मेला व्यापारियों को 26 और 27 फरवरी का दिन सामान उठाने के लिए दिया जाएगा। इसके बाद 28 फरवरी से मेले की विद्युत आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। वहीं वाहनों पर आरटीओ रोड टैक्स की छूट भी 25 फरवरी तक मिलेगी। इसके बाद विभाग का पोर्टल बंद हो जाएगा।

पं. दीनदयाल प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

संगठन की विचारधारा है कार्यकर्ता का आधारः बरुआ

■ ग्वालियर

भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा तय कार्यक्रम पं. दीनदयाल प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन मंगलवार को बालभवन में किया गया। मुख्य वक्ता भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरुआ ने उपनिषद का उदाहरण देते हुए कहा कि नर सेवा ही असली नारायण सेवा है। हम भाग्यशाली हैं जो हमने भारत भूमि पर जन्म लिया और उससे भी अधिक भाग्यवान है कि हमें जनता कि सेवा के लिए भाजपा का मंच एक पार्टी के रूप मे मिला है। दल का आधार एक संगठन, संगठन का आधार कार्यकर्ता और कार्यकर्ता का आधार संगठन की विचारधारा है।

भाजपा महानगर अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने कहा कि जीवन का प्रत्येक पल हमें कुछ ना कुछ सिखाता है। सपने वह सच होते हैं जो व्यक्ति जागते हुए देखता है और वही सपने व्यक्ति को जगाने का कार्य कर व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारते हैं। प्रशिक्षण का सही अर्थ नए कार्यकर्ताओं को गढ़ने व अनुशासन का मंत्र देना है, इसीलिए सही मायने मे पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण कार्यशाला ही कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण की पाठशाला है। सांसद भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि भाजपा संगठन का मूल उसके कार्यकर्ता और कार्यकर्ता का कार्य सतत सम्पर्क, सेवा और प्रवास है। पूर्व अध्यक्ष वेदप्रकाश शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ता वही मूल्यवान है जो संगठन के विचारों को सुनकर उसका आत्ममंथन कर विचारों का आत्मसात करें। संभागीय सह प्रभारी मधुसूदन भदौरिया ने कार्यक्रम की रूप रेखापर प्रकाश डाला। संयोजक एवं जिला उपाध्यक्ष विनय जैन एवं विनोद शर्मा ने भी विचार रखे। संचालन महामंत्री राजू पलैया ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी, अभय चौधरी, विवेक जोशी, जीतेन्द्र गुर्जर, डॉ. अरविन्द राय, सुमन शर्मा, मीना सचान, धर्मेंद्र तोमर, जवाहर प्रजापति, अशोक जादौन, किरण भदौरिया, गिरजा जाटव, करुणा सक्सेना, डॉ. वंदना प्रेमी, विकास साहू, केशव मांझी, सत्येंद्र शर्मा, मीडिया प्रभारी डॉ. निशिकांत मोघे आदि उपस्थित रहे।

निःशुल्क स्प्रे पम्प किए वितरित

■ ग्वालियर

विन्ध्याचल एफपीओ के तत्वावधान में आईसीएआर-एनबीपीजीआर, पूसा (नई दिल्ली) के सहयोग से प्राकृतिक कृषि प्रमाणन प्रक्रिया विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य क्षेत्र के किसानों को प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य संवर्धन, रसायन-मुक्त उत्पादन तथा बेहतर बाजार मूल्य से संबंधित व्यवहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में आईसीएआर-एनबीपीजीआर, पूसा (नई दिल्ली) के निदेशक ने देशी गोवंश आधारित प्राकृतिक खेती मॉडल को ग्रामीण आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रभावी पहल बताया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्राकृतिक खेती की प्रमाणन प्रक्रिया, मृदा स्वास्थ्य सुधार, एकल गौ आधारित खेती मॉडल तथा रसायन-मुक्त खेती से आयवृद्धि के उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई। किसानों को व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जिससे वे वैज्ञानिक एवं पारंपरिक ज्ञान के समन्वय से खेती को अधिक लाभकारी, टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल बना सकें। अंत में विन्ध्याचल एफपीओ द्वारा कृषकों को निःशुल्क स्प्रे पम्प वितरित किए गए, ताकि जीवामृत एवं घनजीवामृत जैसे प्राकृतिक घोलों का प्रभावी उपयोग हो सके। इस अवसर पर विशेष रूप से भारत भूषण त्यागी, विन्ध्याचल एफपीओ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी देवेंद्र सिंह भदौरिया सहित अन्य मौजूद रहे।

संपादकीय

मोदी की इजरायल यात्रा पर सवाल

पूरी दुनिया की निगाहें इस समय ईरान के हालात पर टिकी है, जहां अमेरिका ने अपने युद्धपोत तैनात किए हुए हैं और कई दिनों से लगातार धमकियां दे रहा है कि वो जंग की शुरुआत कर देगा। खुद भारत ने सोमवार 23 फरवरी को ईरान में अपने नागरिकों से कहा है कि वे फौरन ईरान छोड़ दें। यानी ईरान पर किसी भी समय अमेरिकी हमला हो सकता है। लेकिन 23 फरवरी को ही इजरायली कैबिनेट को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने घोषणा की कि भारत क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर सहयोग के लिए एक हेक्सागोनल गठबंधन में शामिल होगा। इसके बाद तय हो गया कि प्रधानमंत्री मोदी 25 फरवरी को दो दिन के इजरायल दौरे पर जा रहे हैं यानी जब पूरा मध्यपूर्व बड़े संकट से गुजर रहा है, उस समय इजरायल एक अलग वैश्विक गठजोड़ तैयार कर रहा है और भारत उसका हिस्सा बनने जा रहा है। इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने एक वीडियो पोस्ट में कहा कि दोनों देश रक्षा और सुरक्षा समझौतों को एडवांटेज करेंगे। गौरतलब है कि हेक्सागोन एलायंस (हेक्सागोन ऑफ एलायंसेज) इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा 22 फरवरी को कैबिनेट बैठक में घोषित एक प्रस्तावित रणनीतिक भू-राजनीतिक ढांचा है। इसका उद्देश्य मध्य पूर्व और उसके आसपास के क्षेत्र में आर्थिक, कूटनीतिक और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करना है, खासकर रेडिकल शिया एक्सिस (ईरान और उसके सहयोगी) और उभरते रेडिकल सुन्नी एक्सिस के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना। नेतन्याहू ने इसे शेक्सागोनेश (छह भुजाओं वाला) कहा, जो एक नेटवर्क गठबंधन का प्रतीक है। इस नेटवर्क को खड़ा करने में बड़ी चालाकी से शब्दों का खिलवाड़ किया गया है वर्ना रेडिकल यानी कट्टरपंथी शिया और सुन्नियों के खिलाफ छह भुजाओं वाला गठबंधन खड़ा करना, धर्म के आधार पर विरोध को बढ़ावा देना ही है। इजरायल यहूदी देश है और उसकी जो मर्जी वह करे। लेकिन इस हेक्सागोन नेटवर्क में इजरायल केंद्रीय भूमिका निभाएगा, जबकि भारत को प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में विशेष महत्व दिया गया है। अन्य सदस्यों में ग्रीस और साइप्रस (भूमध्यसागरीय भागीदार) शामिल हैं साथ ही कई अरब, अफ्रीकी और एशियाई देशों को शामिल करने की भी योजना है, हालांकि उनके नाम अभी साफ नहीं किए गए हैं। यह अब्राहम समझौते पर आधारित है लेकिन गैर-अरब शक्तियों जैसे भारत को शामिल करके विस्तारित किया जा रहा है। बता दें कि 2020 में इजरायल ने अमेरिका की मध्यस्थता में संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, सूडान और मोरक्को जैसे अरब देशों के साथ संबंधों को सामान्य करने के लिए अब्राहम समझौता नाम से राजनयिक समझौता किया था। जिसके तहत इस समझौते का उद्देश्य मध्यपूर्व में शांति, स्थिरता और व्यापार को बढ़ावा देना है। अब इसी का विस्तार करते हुए इसमें भारत को भी शामिल किया जा रहा है। यानी अमेरिका के बाद अब इजरायल भी तय करने लगा है और बताने लगा है कि भारत क्या करेगा या क्या नहीं। इजरायल और अमेरिका पूरी दुनिया में किस तरह अपनी खुफिया एजेंसियों और हथियारों के बल पर कमजोर देशों की आंतरिक और बाहरी नीतियों को निर्धारित करते हैं, यह तो विश्व राजनीति की खुली किताब में दर्ज है। लेकिन भारत किस तरह अपने आप को इतना कमजोर कर रहा है, यह चिंता की बात है। प्रधानमंत्री मोदी की इजरायल यात्रा का मकसद और वक्त दोनों पर सवाल उठ रहे हैं। जिस इजरायल ने गज़ा में आम लोगों का कत्लेआम किया और उसके बाद ईरान के साथ जंग पर उतर आया, अभी अमेरिका भी ईरान पर हमले के लिए तैयार बैठा है, ऐसे वक्त में प्रधानमंत्री मोदी इजरायल जा रहे हैं। कई मुस्लिम देशों ने क्षेत्र में सैन्य तनाव से बचने की अपील की है। ऐसे समय में भारत के प्रधानमंत्री का तेल अबीव जाना स्वाभाविक रूप से प्रतीकात्मक अर्थ पैदा करता है- चाहे नई दिल्ली की आधिकारिक मंशा कुछ भी क्यों न हो। गौरतलब है कि भारत लंबे समय से श्रणनीतिक संतुलनश की नीति पर चलता रहा है- उसने इजरायल के साथ मजबूत रक्षा सहयोग के संबंध बनाए, तो दूसरी ओर खाड़ी देशों और ईरान के साथ गहरे आर्थिक और ऊर्जा संबंध भी बनाए रखे। लेकिन मोदी सरकार ने इस संतुलन को बिगाड़ दिया है। यदि भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी ताकत उसकी कूटनीति रही है, तो उसे प्रतीकों की राजनीति से भी उतनी ही सावधानी बरतनी चाहिए। नरेन्द्र मोदी की इजरायल यात्रा प्रतीकों की राजनीति का ही हिस्सा है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अमेरिकी सैन्य जमावड़े के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा के समय पर संसद विदेश मामले की स्थायी समिति ने भी गंभीर सवाल उठाए हैं। समिति की बैठक सोमवार 23 फरवरी को हुई, जिसमें विदेश मंत्रालय के बजटीय आवंटन पर चर्चा के दौरान शशि थरूर ने इस यात्रा की औचित्य पर सवाल किया, खासकर जब भारत ने ईरान में रहने वाले अपने नागरिकों को वहां से निकलने की सलाह जारी की है और अमेरिकी हमले की आशंका जताई गई है। गौरतलब है कि श्री नरेंद्र मोदी नौ साल बाद फिर से इजरायल जा रहे हैं। इससे पहले वे 2017 में इजरायल गए थे। और तब का जिक्र एप्सटीन फाइल्स में जिस तरीके से है, उस पर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के लिए बता दें कि इस बार की दो दिवसीय यात्रा में मोदी येरुशलम में इजरायली संसद को संबोधित करेंगे, प्रौद्योगिकी सहयोग पर एक इनोवेशन इवेंट में भाग लेंगे और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ होलोकॉस्ट स्मारक याद वाशेम का दौरा करेंगे। लेकिन इन प्रत्यक्ष कार्यक्रमों के अलावा जो प्रच्छन्न उद्देश्य इस यात्रा में छिपे हैं, उनका सामने आना भी जरूरी है।

वर्चस्व को नकारना भारतीय संघ का स्वधर्म है

> संविधान निमार्ता समझ रहे थे कि भारत न तो यूरोपीय अर्थ में एकात्मक या केंद्रीकृत है और न ही अमरीकी अर्थ में संघात्मक। भारत की एकता न तो समरूपता की चाह रखती है, न ही बहुलता का महिमामंडन करती है। ह्ययूनियनह्न जैसा ढीला शब्द भारत की इस अनूठी बुनावट को बनाए रखने और हमें अपने रिश्तों को अपने तरीके से परिभाषित करने की आजादी देता है। इस अनूठेपन में भारत गणराज्य के स्वधर्म का चौथा सूत्र छुपा है। यह एक मूल्य नहीं, बस एक एहसास है, भारत की बुनावट की सहज स्वीकारोक्ति है। यह भाव भारतीय दर्शन में है, इतिहास में है, संस्कृति में है और जनमानस में है। भारतीय दर्शन की विशेषता यही है कि इसका नैतिक बोध किसी शाश्वत नियमों से यांत्रिक रूप से बंधा नहीं है। नैतिकता देश, काल और पात्र सापेक्ष है। यह समझ किसी एक दार्शनिक या धार्मिक परंपरा से नहीं जुड़ी। वैदिक काल से लेकर धर्मशास्त्र तक, बौद्ध और जैन दर्शन में, सूफी संतों से दारा शिकोह तक सभी में यह भाव मौजूद है।

योगेन्द्र यादव

अब तक हम भारत गणराज्य के स्वधर्म के 3 सूत्रों की व्याख्या कर चुके हैं। अंतिम कड़ी में यहां हम चौथे सूत्र यानी संघवाद की चर्चा करेंगे, जिसे फैडरलिज्म कहा जाता है। संविधान के पहले अनुच्छेद के अनुसार भारत ह्यराज्यों का संघ होगा। लेकिन अंग्रेजी में इसे फैडरेशन नहीं यूनियन ऑफ स्टेट्स कहा गया। जाहिर है इस असहजता की पृष्ठभूमि थी देश का बंटवारा, जिसकी परछाई संविधान निर्माण पर देखी जा सकती है। संविधान निमार्ता अब किसी और बंटवारे से बचने के लिए केंद्र को खुला हाथ देना चाहते थे। लेकिन फैडरेशन का इस्तेमाल न करने के पीछे यह आग्रह भी रहा होगा कि राष्ट्रीयता और क्षेत्रीयता को बने-बनाए यूरोपीय सांचे में न ढाला जाए। संविधान निमार्ता समझ रहे थे कि भारत न तो यूरोपीय अर्थ में एकात्मक या केंद्रीकृत है और न ही अमरीकी अर्थ में संघात्मक। भारत की एकता न तो समरूपता की चाह रखती है, न ही बहुलता का महिमामंडन करती है। ह्ययूनियनह्न जैसा ढीला शब्द भारत की इस अनूठी बुनावट को बनाए रखने और हमें अपने रिश्तों को अपने तरीके से परिभाषित करने की आजादी देता है। इस अनूठेपन में भारत गणराज्य के स्वधर्म का चौथा सूत्र छुपा है। यह एक मूल्य नहीं, बस एक एहसास है, भारत की बुनावट की सहज स्वीकारोक्ति है। यह भाव भारतीय दर्शन में है, इतिहास में है, संस्कृति में है और जनमानस में है। भारतीय दर्शन की विशेषता यही है कि इसका नैतिक बोध किसी शाश्वत नियमों से यांत्रिक रूप से बंधा नहीं है। नैतिकता देश, काल और पात्र सापेक्ष है। यह समझ किसी एक दार्शनिक या धार्मिक परंपरा से नहीं जुड़ी। वैदिक काल से लेकर धर्मशास्त्र तक, बौद्ध और जैन

दर्शन में, सूफी संतों से दारा शिकोह तक सभी में यह भाव मौजूद है। भाषा चाहे धर्म और विवेक की हो या अनेकान्तवाद और प्रतीत्यसमुत्पाद अथवा अहवाल, इज्तेहाद, तमीज और मुनासबत की, इन सबने परिस्थिति सापेक्ष नैतिकता की व्याख्या की। इनके लिए विविधता एक मूल्य या आदर्श नहीं था, बल्कि सामाजिक हकीकत थी, जिसे इन्होंने सहज रूप से ग्रहण किया। यही भाव सामाजिक और राजकीय नियम-कानून को एकांगी होने से रोकता है। देशाचार या देश धर्म की अवधारणा इसी भाव की अभिव्यक्ति है। हर इलाके और समुदाय के अपने अलग आचार-व्यवहार, रीति-रिवाज हैं। सबको एक ही चाल में ढालने की बजाय इस विविधता का सम्मान करना चाहिए। जहां शास्त्र चुप हैं, वहां सामाजिक मान्यता मयार्दा का स्रोत है। धर्म हमेशा संस्कार का स्रोत नहीं होता। संस्कार भी धर्म का स्रोत हो सकता है। यही विचार सल्तनत और मुगल काल में भी विकसित हुआ। इसके चलते समस्त प्रजा पर शरिया और शाही कानून थोपने की बजाय राज्य के बड़े इलाके और समुदाय के लिए उर्फ यानी स्थानीय तौर-तरीके और सामाजिक मान्यता को स्वीकार किया गया। यह न सिर्फ रणनीति थी, न सिर्फ राजनीतिक दर्शन। यह एक गहरी राजनीतिक समझ थी। यह भाव और समझ भारत गणराज्य की बुनियाद में है। भारतीय राज्य केवल एक आधुनिक ह्यसम्पूर्ण प्रभुत्व संपन्नह्न राज्य नहीं है। वह तो भारतीय राज्य की ऊपरी परत है। उसके नीचे इतिहास की कई और परतें हैं। भारत में राजसत्ता कभी भी सम्पूर्ण प्रभुत्व संपन्न नहीं रही। प्राचीन काल में सम्राट चाहे जितना बड़ा हो, उसकी सत्ता सीमित थी। न तो वह कानून का एकमात्र निर्धारक था, न धार्मिक और सामाजिक तौर तरीकों में दखल दे सकता था तथा न ही अविभाजित वफादारी मांग सकता था। राजा की सत्ता समाज की सत्ता के साथ थी, उसके ऊपर नहीं। मुगल राज आने के बाद राज्य की वित्तीय, सैन्य और संस्थागत क्षमता बहुत बढ़ी। लेकिन मुगल बादशाह को भी अपनी संप्रभुता में सांझेदारी करनी पड़ती थी-जमींदारों, स्थानीय राजाओं, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों के साथ। मुगल साम्राज्य में न तो एक जैसा कानून था, न एक नागरिकता और न ही धार्मिक और सामाजिक मामलों का एकाधिकार। राज्य सत्ता की इस बुनावट पर औपनिवेशिक राज ने आधुनिक राष्ट्र और राज्य की परत बिछाई। इसने हमारे समाज और राजनीतिक सत्ता के स्वरूप में बुनियादी बदलाव किए। बेशक भारत गणराज्य का औपचारिक स्वरूप एक राष्ट्र-राज्य की आधुनिक परिपाटी के मुताबिक चलता है लेकिन व्यवहार में भारतीय सभ्यता की गहरी बुनावट ने आधुनिक राष्ट्र, प्रभुत्व संपन्न राज्य और लोकतांत्रिक राजनीति का रूप रंग बदल दिया है। एकछत्र केंद्रीयकृत प्रभुत्वशाली सत्ता हमारी सभ्यता का मिजाज नहीं है। इसलिए व्यवहार में आधुनिक राज्य की शक्ति हमेशा मर्यादित रही है। अकेंद्रित सत्ता, सांझा प्रभुत्व और गठबंधन आधारित शक्ति ही हमारे समाज का स्वधर्म रहा है। भारतीय संविधान में संघ या यूनियन की अवधारणा को इस रौशनी में देखना उचित होगा। यह यूरोप-अमरीका की काट का फैडरेशन नहीं है। भारतीय संघ में सत्ता का बंटवारा पश्चिमी फैडरेशन से अलग किस्म का है। भारतीय संघ अमरीका की तर्ज पर अनेक प्रभुत्व संपन्न राज्यों के स्वैच्छिक समझौते से बना एक राज्य नहीं है। न ही यह सोवियत संघ वाले अंदाज में अनेक राष्ट्रों के मिलन से बना एक बहुराष्ट्रीय राज्य है। भारत गणराज्य की बुनियाद औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ संघर्ष से पैदा हुई एकजुटता में है। इस गणराज्य की क्षेत्रीय इकाइयों ने वयस्क होने के बाद एक दूसरे से संबंध बनाने का फैसला नहीं लिया। इनकी पैदाइश ही एक साथ हुई। यहां शक्ति के बंटवारे का मतलब केवल कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका में बंटवारा नहीं है। सरकार और समाज में सत्ता का बंटवारा हमारा स्वधर्म है। यहां सत्ता के स्वायत्त दायरे की जरूरत सिर्फ केंद्र और राज्य सरकार के बीच नहीं, बल्कि उसके बहुत नीचे पंचायत और मुहल्ला सरकार तक है। यहां राष्ट्रीय एकता बाकी सब भाषाई और क्षेत्रीय पहचान को खत्म करके नहीं बनती। यहां की तमाम भाषाई संस्कृतियों की पहचान भारत से अलग नहीं है, भारत पर निर्भर भी नहीं है। दरअसल भारत की पहचान इन सब पहचानों को जोड़ कर बनती है।

भागवत जी के भाषण को सही नजरिए से देखा जाना चाहिए

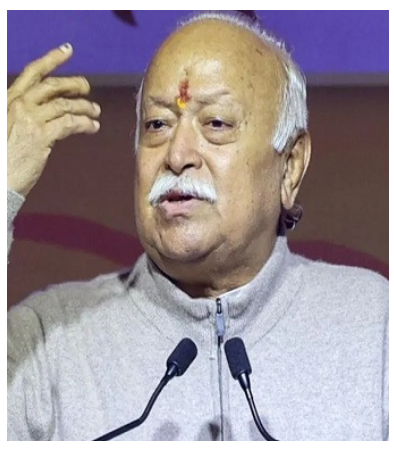

> जैसा कि इतिहास बहुत साफ है, भारत में सैंकड़ों सालों तक, मुस्लिम शासकों ने हिंदुओं को अपना धर्म छोडने के लिए मजबूर किया। इस्लाम या ईसाई धर्म अपनाने के लिए, यूरोपीय शासकों ने उन पर मुकद्दमा चलाया और कई मामलों में, धर्म के आधार पर अमानवीय अत्याचार और बेरहमी से हत्याएं हुईं। भारत में इस्लाम और ईसाई धर्म को जबरदस्ती और कई दूसरी चीजों से गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद और सेवा की आड़ में फैलाया गया। भागवत जी की बात बहुत सीधी और सरल है-अगर कोई अपनी मर्जी से अपने असली धर्म में वापस आना चाहता है, तो हमें हिंदू समाज के तौर पर उनका स्वागत करना चाहिए। उन्होंने बहुत ज्यादा दबाव और ऐसी शर्तों के तहत अपना असली धर्म छोड़ा जो उनके नियंत्रण से बाहर थीं। मुझे इसमें कोई गैर-धर्मनिरपेक्ष काम नहीं दिखता, क्योंकि इसमें दबाव, लालच या किसी भी गलत तरीके का कोई तत्व नहीं है। भारत जैसे आजाद और स्वतंत्र देश में, अपनी पसंद से धर्म बदलना गैर-कानूनी नहीं है। हिंदू धर्म (सनातन) सिर्फ भारतीय उपमहाद्वीप में ही नहीं था, बल्कि इंडो-चाइना, इंडोनेशिया और दूसरे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों तक फैला हुआ था। इंडोनेशिया में ङ्खषहदू धर्म का काफी ज्यादा उभार हो रहा है, जहां मुसलमानों की सबसे ज्यादा आबादी है। हिंदू-बहुल द्वीप बाली के अलावा, जावा और सुमात्रा जैसे द्वीपों पर हिंदू आबादी बढ़ रही है और नए हिंदू मंदिर बन रहे हैं। कुछ भी जबरदस्ती या किसी और गलत तरीके से नहीं हो रहा, यह सनातन धर्म की आध्यात्मिक आवाज है।

विश्वास डावर

सरसंघचालक (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख) श्री मोहन भागवत जी के भाषण को सही नजरिए से देखा जाना चाहिए-जिसमें उन्होंने कहा कि जिन लोगों को अपना असली धर्म छोड़कर इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर किया गया था, उनका वापस स्वागत है-इस बात में कोई सांप्रदायिक भावना नहीं दिखनी चाहिए। जैसा कि इतिहास बहुत साफ है, भारत में सैंकड़ों सालों तक, मुस्लिम शासकों ने हिंदुओं को अपना धर्म छोडने के लिए मजबूर किया। इस्लाम या ईसाई धर्म अपनाने के लिए, यूरोपीय शासकों ने उन पर मुकद्दमा चलाया और कई मामलों में, धर्म के आधार पर अमानवीय अत्याचार और बेरहमी से हत्याएं हुईं। भारत में इस्लाम और ईसाई धर्म को जबरदस्ती और कई दूसरी चीजों से गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद और सेवा की आड़ में फैलाया गया। भागवत जी की बात बहुत सीधी और सरल है-अगर कोई अपनी मर्जी से अपने असली धर्म में वापस आना चाहता है, तो हमें हिंदू समाज के तौर पर उनका स्वागत करना चाहिए। उन्होंने बहुत ज्यादा दबाव और ऐसी शर्तों के तहत अपना असली धर्म छोड़ा जो उनके नियंत्रण से बाहर थीं। मुझे इसमें कोई गैर-धर्मनिरपेक्ष काम नहीं दिखता, क्योंकि इसमें दबाव, लालच या किसी भी गलत तरीके का कोई तत्व नहीं है। भारत जैसे आजाद और स्वतंत्र देश में, अपनी पसंद से धर्म बदलना गैर-कानूनी नहीं है। हिंदू धर्म (सनातन) सिर्फ भारतीय उपमहाद्वीप में ही नहीं था, बल्कि इंडो-चाइना, इंडोनेशिया और दूसरे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों तक फैला हुआ था। इंडोनेशिया में ङ्खषहदू धर्म का काफी ज्यादा उभार हो रहा है, जहां मुसलमानों की सबसे ज्यादा आबादी है। हिंदू-बहुल द्वीप बाली के अलावा, जावा और सुमात्रा जैसे द्वीपों पर हिंदू आबादी बढ़ रही है और नए हिंदू मंदिर बन रहे हैं। कुछ भी जबरदस्ती या किसी और गलत तरीके से नहीं हो रहा, यह सनातन धर्म की आध्यात्मिक आवाज है। इंसान की जिंदगी में शांति, खुशहाली और सुकून लाना ही सनातन धर्म कई यूरोपियन देशों जैसे पोलैंड, एस्टोनिया वगैरह में कर रहा है। हिंदू (सनातन धर्म) ने कभी किसी को धर्म बदलने के लिए मजबूर नहीं किया। यह महान आध्यात्मिकता और फिलॉसफी की भावना है-सबके साथ अच्छा व्यवहार करना, सबके लिए अच्छा सोचना और अपने आस-पास के सभी लोगों के साथ शांति से रहना। सनातन के इन बुनियादी सिद्धांतों ने इसे हजारों सालों तक सभी मुश्किलों और हमलों के बावजूद जिंदा रहने में मदद की है। दुनिया में कई ऐसे देश हैं जो धर्म के हिसाब से पूरी तरह बदल गए हैं और स्पेन इसका एक उदाहरण है। स्पेन 700 सालों तक मुस्लिम शासन के अधीन था और 8वीं सदी की शुरूआत (711 ए.डी.) से 15वीं सदी के आखिर (1478 ए.डी.) तक वहां मुस्लिम आबादी थी। इस दौरान, लगभग 800 सालों तक, ईसाइयों और मुसलमानों के बीच लड़ाइयां लड़ी गईं, जिन्हें रिकोनक्विस्टा के नाम से जाना जाता है, जिसके नतीजे में स्पेन फिर से एक ईसाई देश बन गया। इतिहास साफ दिखाता है कि जहां भी इस्लामी राज कायम हुआ, पूरे देश मुस्लिम बन गए। इसी तरह, जहां यूरोपियन राज करते थे, वे ईसाई बन गए। हालांकि, भारत और सनातन धर्म अपनी पहचान बनाए रखने में कामयाब रहे, भले ही दबाव में बड़े पैमाने पर धर्मांतरण हुए, जिनको बदला जा सकता है और लोगों को घर वापसी करनी चाहिए। यह बात कि सनातन हजार सालों तक उन सभी हमलों से बचा रहा, सनातन की सबसे बड़ी ताकत है। इसके उलट, भारत का सनातन धर्म बिना किसी हिंसा के बचा रहा और फला-फूला। यह जीने का एकमात्र तरीका है, जो हमारे देश को बिना किसी डर, गोलियों, गोले या अमानवीय कामों के आगे बढने और फलने-फूलने में मदद कर सकता है, जिससे आम लोगों को इंसानी दुख और तकलीफ होती है। कुछ तथाकथित बुद्धिजीवियों ने भागवत जी के इस सुझाव की आलोचना की है कि ङ्खषहदुओं को कम से कम 3 बच्चे पैदा करने चाहिएं, जिन्हें अच्छी परवरिश दी जा सके। इसे भी सही नजरिए से देखना चाहिए। कम बर्थ रेट की वजह से, देखिए कि जर्मनी, इटली, ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया, फ्रांस और बैल्जियम जैसे यूरोपियन देशों में क्या हो रहा है, जहां की आबादी में युवाओं का प्रतिशत बहुत कम है। उन्हें दिक्कतें आने लगी हैं, कम युवा आबादी की वजह से आप्रवासियों से इन देशों में कानून-व्यवस्था की बड़ी दिक्कतें पैदा हो रही हैं। जापान जैसे देशों में भी कम जन्म दर की वजह से बूढ़ी होती आबादी की दिक्कतें देखी गई हैं।

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक

> राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है। लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है,

लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है। लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है। सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मयार्दा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें। यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दर्शाता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। आज भारत स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर यूपी में राष्ट्रीय संगोष्ठी

लखनऊ,(संवाददाता)। अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, हिन्दुस्तानी एकेडेमी और जवाहर लाल नेहरू स्मारक पीजी कॉलेज के हिंदी विभाग के तत्वावधान में 27 और 28 फरवरी को राष्ट्रीय संगोष्ठी होगी। कार्यक्रम का विषय शिक्षा, संस्कृति और संस्कार का प्रसाररू भारतीय ज्ञान परंपरा, बौद्ध दर्शन और साहित्य है। भारतीय परंपरा और बौद्ध विचारधारा पर आसान और समझने योग्य तरीके से चर्चा की जाएगी। संगोष्ठी का आयोजन जवाहर लाल नेहरू स्मारक पीजी कॉलेज महराजगंज में होगा। इसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के विद्वान, शोधार्थी और छात्र भाग लेंगे। कार्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा, बौद्ध दर्शन, संस्कृत और पालि भाषा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल इतिहास का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह आज के समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी दिशा दिखाने का काम करती है। उन्होंने बताया इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों और शोधार्थियों को बौद्ध दर्शन, संस्कृत और पालि जैसी प्राचीन भाषाओं का अध्ययन करने का मौका मिलेगा।

वैक्सिंग से त्वचा को होते हैं ये बड़े नुकसान, हर महिला के लिए जानना जरूरी

वैक्सिंग एक लोकप्रिय और प्रभावी हेयर रिमूवल तरीका है, लेकिन इसके कुछ नुकसान भी होते हैं। यदि सावधानी नहीं बरती जाए, तो यह त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। : हाथ-पैर के अनचाहे बालों को हटाने के लिए वैक्सिंग एक सरल और आसान तरीका है। इसके लिए ज्यादा पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती है, क्योंकि महिलाएं घर पर ही वैक्सिंग करके अपनी त्वचा को

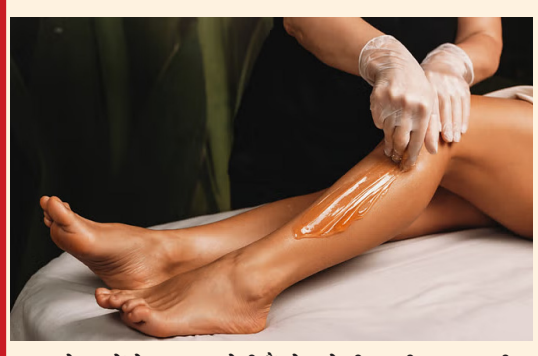

अनचाहे बालों से मुक्त कर लेती हैं। ये भले ही काफी आसान तरीका है, पर क्या आप जानती हैं कि वैक्सिंग की वजह से आपकी त्वचा पर काफी गलत असर पड़ सकता है। बहुत से लोगों को तो इस बारे में जानकारी ही नहीं है कि बार-बार वैक्सिंग कराने से त्वचा पर क्या असर होता है। यहां हम आपको इसी बारे में बताने जा रहे हैं, ताकि आप सावधानीपूर्वक वैक्सिंग कराएं। वरना ये आपकी स्किन को डैमेज कर सकती है और आपको अस्पताल जाने तक की जरूरत पड़ सकती है।

त्वचा पर हो सकती है रेडनेस

अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो वैक्सिंग के तुरंत बाद त्वचा में जलन, रेडनेस और सूजन हो सकती है। ऐसे में वैक्सिंग के तुंरत बाद ही अपनी त्वचा को ठंडे पानी से त्वचा को साफ करें। इसके साथ-साथ स्किन टाइप के हिसाब से मॉइस्चराइजर या एलोवेरा जेल लगाएं। वैक्सिंग के तुंरत बाद गर्म पानी से नहाने से बचें।

रैशेज और एलर्जी

अगर कोई ऐसी महिला पहली बार वैक्सिंग करा रही है, जिसकी त्वचा संवेदनशील है तो उन्हें थोड़ा संभल कर रहना चाहिए। कुछ लोगों को वैक्सिंग के बाद स्किन एलर्जी या रैशेज हो सकते हैं। ऐसे लोगों को वैक्सिंग से पहले पैच टेस्ट जरूर करना चाहिए। पहली बार में नेचुरल या हाइपोएलर्जेनिक वैक्स का इस्तेमाल करें। यदि फिर भी एलर्जी हो तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

इनग्रोन हेयर्स

वैक्सिंग से बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं, जिससे इनग्रोन हेयर्स की समस्या हो सकती है, जो दर्दनाक और खुजलीदार हो सकते हैं। कई बार ये समस्या गलत तरह से वैक्सिंग करने की वजह से होती है। इसलिए यदि वैक्सिंग कर रही हैं तो सही तरीके का ध्यान रखें।

ज्यादा वैक्सिंग से त्वचा होती है काली

यदि आप नियमित रूप से ज्यादा वैक्सिंग का इस्तेमाल करेंगे तो त्वचा पर कालापन हो सकता है। इसलिए वैक्सिंग के समय कुछ दिन का गैप अवश्य दें। बार-बार वैक्सिंग करने से कुछ लोगों की त्वचा पर कालापन या पिगमेंटेशन आ सकते हैं। यदि इससे बचना चाहते हैं तो वैक्सिंग के तुरंत बाद धूप में जाने से बचें। सनस्क्रीन लगाएं और केमिकल-फ्री वैक्स का इस्तेमाल करें। लगातार वैक्सिंग से त्वचा की इलास्टिसिटी (लचक) कमजोर हो सकती है, जिससे त्वचा ढीली और झुर्रियां जल्दी आ सकती हैं। इस समस्या से बचने के लिए हार्ड वैक्स या शुगर वैक्स का इस्तेमाल करें। त्वचा को मॉइस्चराइज रखें। बार-बार एक ही जगह पर वैक्सिंग न करें।

प्यार और स्वास्थ्य का एक साथ रखें ख्याल, कपल करें इन योगासनों का अभ्यास

यहां कई ऐसे योगासनों के बारे में बताया जा रहा है, जिसका अभ्यास कपल साथ में कर सकते हैं और रिश्ते के साथ ही शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को सुधार सकते हैं। वैलेंटाइन डे हर साल 14 फरवरी को मनाया जाता है। ये दिन कपल्स या प्रेम करने वालों के लिए किसी पर्व की तरह है। अगर आप भी अपने प्रिय की फिक्र करते हैं तो उनकी सेहत का भी ख्याल रखें। वैलेंटाइन डे के मौके पर डेट पर जाएं, पार्टी करें या अन्य किसी भी तरीके से ये दिन मनाएं लेकिन कुछ ऐसा भी करें जो आपके रिश्ते की सेहत के साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी प्रभावी हो। इसके लिए आप पार्टनर के लिए एक स्वस्थ रूटीन की योजना बना सकते हैं। पार्टनर का डाइट

प्लान, स्वस्थ जीवनशैली के लिए उन्हें प्रोत्साहित कर सकते हैं। वहीं अगर आप साथ रहते हैं या सुबह के वक्त साथ बिताते हैं तो योगाभ्यास को भी जीवनशैली में शामिल कर सकते हैं। यहां कई ऐसे योगासनों के बारे में बताया जा रहा है, जिसका अभ्यास कपल साथ में कर सकते हैं और रिश्ते के साथ ही शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को सुधार सकते हैं।

नौकासन

लोग अपने पार्टनर के साथ नौकासन का अभ्यास कर सकते हैं। इस आसन से आप हैमस्ट्रिंग्स को स्ट्रैच कर सकते हैं। अभ्यास के लिए एक-दूसरे के सामने मुंह करके बैठें। दोनों के बीच तीन फीट दूरी बनाए रखें। पैरों के बाहर से हाथों को निकालकर एक दूसरे के हाथों को पकड़ें। अब दोनों पैरों को उठाएं और एक दूसरे के पैरों के तलवों को मिलाइए। संतुलन बनाते हुए अपने पैरों को स्ट्रेच करने की कोशिश करें।

बालासन और अधोमुख श्वानासन

ये दोनों योग फूड बॉडी स्ट्रेच आसन हैं। अपने पार्टनर के साथ करने से आप खिंचाव को गहरा करने में एक दूसरे की मदद कर सकते हैं। इस आसन के अभ्यास के लिए शिशु की भांति अपने घुटने मोड़कर आगे की ओर हाथ फैलाकर झुकें। बालासन की मुद्रा में आने के बाद साथी को सामने खड़ा करके अपने दोनों हाथों से उनके घुटनों को पकड़ लें। खड़ा हुआ साथी आगे की ओर झुककर पार्टनर को कमर के पास पकड़े।

घर में कभी नहीं आएगी आर्थिक तंगी बस इन दो पौधों को रखें एक साथ

वास्तु शास्त्र, हमारे घर और जीवन में खुशहाली और समृद्धि लाने के लिए दिशा, स्थान, और वास्तु के महत्व को समझाता है। खासकर अगर हम अपने घर में कुछ खास पौधे रखें, तो यह न सिर्फ वातावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि हमारी आर्थिक स्थिति और जीवन को भी बेहतर बना सकते हैं। तुलसी और मनी प्लांट का सही स्थान पर होना भी इसी प्रकार के लाभों से जुड़ा हुआ है।

तुलसी के पास मनी प्लांट एक साथ रखने के फायदे

आर्थिक स्थिति में सुधार

तुलसी और मनी प्लांट को एक साथ रखने से घर में पॉजिटिव एनर्जी लाता है। यह घर की आर्थिक स्थिति को बेहतर करता है और धन की कमी को दूर करने में मदद करता है। मनी प्लांट को तुलसी के पास रखने से दोनों पौधों की एनर्जी मिलकर घर में दरिद्रता और गरीबी को दूर करती है।

स्वास्थ्य में लाभ

मनी प्लांट और तुलसी दोनों ही पौधे घर में ताजगी और शुद्ध हवा लाते हैं। मनी प्लांट वायु में नमी को बनाए रखने में मदद करता है, जबकि तुलसी के पत्ते प्रदूषण को कम करने में मदद करते हैं। इससे घर में हवा शुद्ध रहती है, जिससे स्वास्थ्य में सुधार होता है और परिवार के सदस्य स्वस्थ रहते हैं।

पारिवारिक खुशहाली

तुलसी और मनी प्लांट के पास बैठने से परिवार के बीच प्रेम और शांति बढ़ती है। यह घर में शांति और खुशी का माहौल बनाता है, जिससे परिवार में रिश्तों में मिठास और समझ बढ़ती है। यह दोनों पौधे घर के वातावरण को संतुलित और सकारात्मक बनाते हैं।

नेगेटिव एनर्जी का नाश

तुलसी और मनी प्लांट मिलकर घर में नेगेटिव एनर्जी को दूर करने में मदद करते हैं। अगर घर में किसी तरह की अनहोनी या नेगेटिव स्थिति हो, तो तुलसी और मनी प्लांट के पास बैठने से माहौल में बदलाव आता है और नेगेटिविटी दूर होती है।

कर्ज से छुटकारा

अगर आपके ऊपर कर्ज का बोझ है, तो मनी प्लांट और तुलसी के संयोजन से घर में समृद्धि आती है और यह कर्ज चुकता करने में भी मदद करता है। यह पौधे आर्थिक दृष्टि से सकारात्मक प्रभाव डालते हैं और कर्ज चुकाने में मदद कर सकते हैं।

तुलसी और मनी प्लांट का वास्तु शास्त्र में महत्व

तुलसी का महत्वः तुलसी को भारतीय घरों में धार्मिक और वास्तु शास्त्र के हिसाब से बहुत शुभ माना जाता है। यह न केवल घर के वातावरण को शुद्ध करती है, बल्कि घर में सुख-शांति और पॉजिटिव एनर्जी का संचार भी करती है। तुलसी का पौधा घर में होने से दरिद्रता और नेगेटिविटी दूर रहती है। इसे भगवान विष्णु की प्रिय माना जाता है, और इसके पास रोजाना से दीपक जलाना और पूजा करना एक शुभ संकेत है।

मनी प्लांट का महत्वः मनी प्लांट को वास्तु शास्त्र में समृद्धि और सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसे घर में लगाने से धन, खुशहाली और सफलता का आशीर्वाद मिलता है। मनी प्लांट को वास्तु के अनुसार दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना सबसे अच्छा माना जाता है, क्योंकि यह दिशा धन और समृद्धि का प्रतीक मानी जाती है। अगर मनी प्लांट तुलसी के पास रखा जाए तो यह दोनों ही पौधे मिलकर घर में समृद्धि और पॉजिटिव एनर्जी आती हैं। इन पौधों का सही स्थान और देखभाल बहुत जरूरी है, ताकि आप इन पौधों के पूरे लाभ का अनुभव कर सकें। यह दोनों पौधे घर में पॉजिटिव एनर्जी का संचार करते हैं और दरिद्रता को दूर रखते हैं।

वैलेंटाइन डे पर इन रेड ड्रेस को करें ट्राई, बॉलीवुड हसीनाओं से लें टिप्स

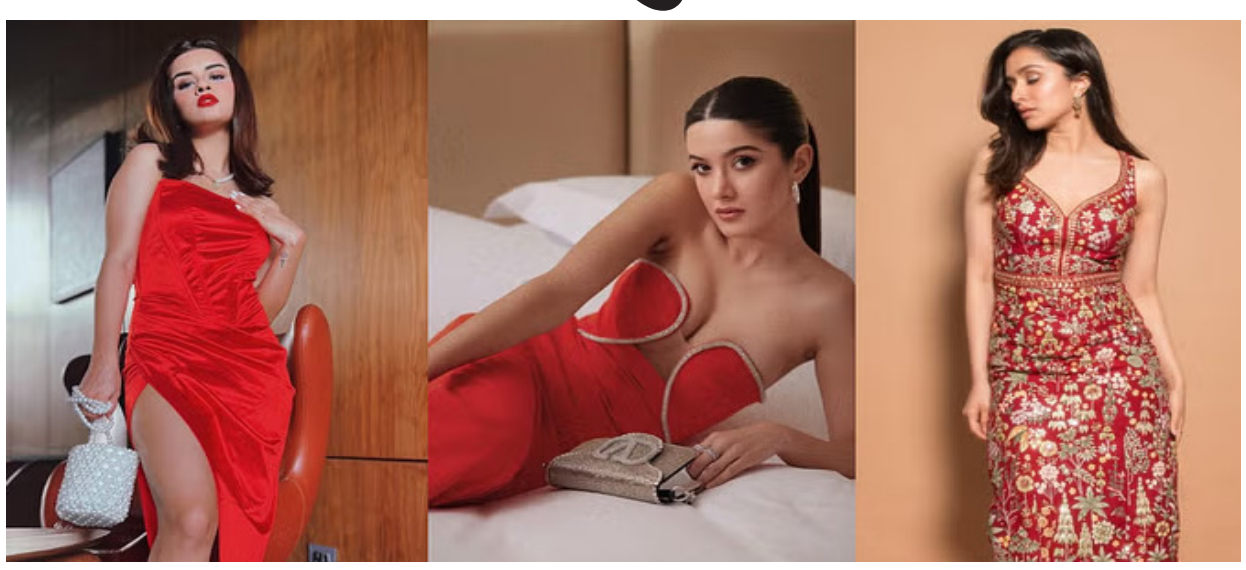

यदि आप वैलेंटाइन डे के दिन अपना खूबसूरत अंदाज दिखाना चाहती हैं तो लाल रंग की ड्रेस कैरी करें। यहां हम आपको कुछ अभिनेत्रियों के लुक्स दिखाने जा रहे हैं, जिनसे आप टिप्स ले सकती हैं। वैलेंटाइन डे हर साल 14 फरवरी को मनाया जाता है। ये दिन प्रेम और स्नेह का प्रतीक है। वैलेंटाइन डे पर लोग आमतौर पर एक-दूसरे को उपहार देते हैं, और अपने पार्टनर को उनके खास होने का एहसास कराते हैं। बहुत से कपल्स इस दिन एक-दूसरे के साथ समय व्यतीत करने के लिए डेट पर जाते हैं। यदि आपका प्लान भी कुछ ऐसा ही है और आप कंफ्यूज हैं कि कैसा आउटफिट पहनकर डेट पर जाएं तो हम आपकी इस समस्या का हल आपको देने जा रहे हैं। यहां हम आपको बताएंगे कि लाल रंग की कैसी ड्रेस पहनकर आप वैलेंटाइन डे पर अपना ग्लैमरस अंदाज दिखा सकती हैं। लाल रंग प्यार का प्रतीक होता है, ऐसे में कुछ अभिनेत्रियों से टिप्स लेकर आप वैलेंटाइन डे पर लाल ड्रेस कैरी कर सकती हैं।

सुहाना खान

यदि आपको बॉडीकॉन ड्रेस पहनना पसंद है तो बिना सोचे सुहाना खान के इस लुक से टिप्स लें। इस तरह की बॉडीकॉन ड्रेस आपके लुक को ग्लैमरस दिखाने में मदद करेगी। ऐसी ड्रेस के साथ अपने बालों को हल्का कर्ल करके खुला ही रखें, ताकी आपका अंदाज प्यारा दिखे।

श्रद्धा कपूर

कुछ ऐसा पहनना चाहती हैं जो एथनिक वाइब दे और रिविलिंग नहीं हो तो श्रद्धा कपूर के इस लुक से टिप्स लें। इस तरह की ड्रेस आपको अपने लिए कस्टजमाइज करानी पड़ेगी। इसे अच्छे से कैरी करने से लिए पैरों में हील्स पहनें। इसके अलावा हल्का मेकअप करते हुए बालों को खुला रखें और हल्के से ईयररिंग्स पहनें।

शनाया कपूर

वैलेंटाइन डे की डेट पर ग्लैमरस दिखना है तो ऐसी ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनें। इसके साथ गोल्डन एक्सेसरीज कैरी करें, क्योंकि इसमें गोल्डन वर्क है। अपने लुक को बोल्ड बनाने के लिए आपको इस ड्रेस के साथ बालों में पोनीटेल बनानी है, ताकि आपका लुक अच्छा दिखे।

अशनूर कौर

यदि आपको प्रिंसेस लुक चाहिए तो ऐसी स्लिट ड्रेस का चयन करें। इसके साथ अगर आप हाथों में मैचिंग दस्ताने पहनेंगी तो आपका लुक बाकियों से काफी अलग दिखेगा। ऐसी ड्रेस के साथ आपको हेयर स्टाइल और मेकअप का खास ध्यान रखना है। हल्की सी गलती आपके लुक को बिगाड़ सकती है।

अवनीत कौर

स्लिट ड्रेस में ग्लैमरस लुक पाने के लिए अवनीत कौर से टिप्स लें। इस तरह की ड्रेस के साथ यदि आप पर्ल वर्क वाला बैग कैरी करेंगी तो आपका लुक अच्छा दिखेगा। इसके साथ लाल लिपस्टिक लगाते हुए अपने मेकअप को बोल्ड टच दें।

जन्नत जुबैर

बहुत सी लड़कियों को क्यू दिखने का शौक होता है, उनके लिए इस तरह की ड्रेस एक बेहतर विकल्प है। ऐसी ड्रेस के साथ चाहें तो ब्लैक कलर का स्लिंग बैगी कैरी करें।

शराब से कम जहरीला नहीं है गाड़ियों का धुआं, फेफड़े के साथ लीवर को भी कर रहा बुरी तरह बर्बाद

फैटी लिवर एक तेजी से बढ़ती समस्या बन गई है, और इसका एक छिपा हुआ कारण वायु प्रदूषण भी हो सकता है। आमतौर पर फैटी लिवर अस्वस्थ खान-पान, मोटापा और शराब के सेवन से जुड़ा होता है, लेकिन अब वातावरण में मौजूद जहरीले कण (पीएम 2.5, पीएम 10, कार्बन मोनोऑक्साइड आदि) भी लिवर की सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। यह खुलासा ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने एक स्टडी में किया है।

सबसे आम रोग है फैटी लीवर

इस अध्ययन के अनुसार यातायात से निकलने वाले पीएम2.5 कणों के प्रतिदिन मात्र 10 माइक्रोग्राम आपके लीवर को नुकसान पहुंचाने और चयापचय से जुड़े फैटी लीवर रोग के जोखिम को बढ़ाने के लिए पर्याप्त हो सकते हैं। फैटी लीवर, जिसे हेपेटिक स्टेटोसिस भी कहा जाता है, दुनिया भर में सबसे आम

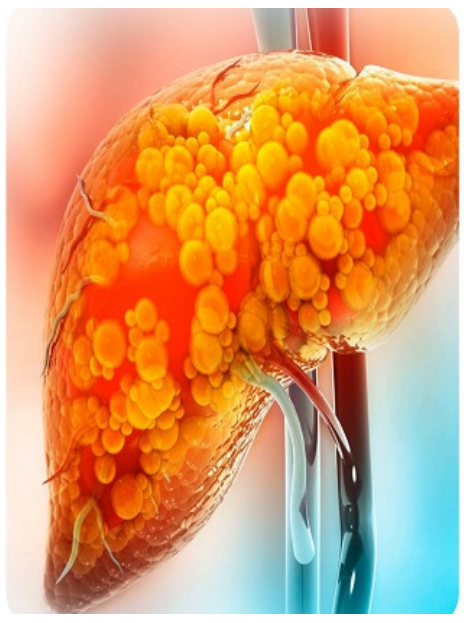

लीवर रोग है। यह रोग लीवर की कोशिकाओं में अतिरिक्त वसा के निर्माण के कारण होता है। पिछले अध्ययनों ने खराब आहार, व्यायाम की कमी और अत्यधिक शराब जैसे जीवनशैली कारकों को फैटी लीवर के पीछे प्रमुख कारण बताया है।

चूहों पर किया गया शोध

चूहों पर किए गए नए शोध से पता चलता है कि हमारा पर्यावरण, विशेष रूप से यातायात वायु प्रदूषण के संपर्क में आना भी इस बीमारी में योगदान दे सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी सिडनी (यूटीएस) के मुख्य लेखक और प्रोफेसर हुई चेन ने कहा-हम वायु प्रदूषण को लोगों के फेफड़ों के लिए हानिकारक मानते हैं, लेकिन इसका स्वास्थ्य पर व्यापक प्रभाव पड़ता है, जिसमें लीवर भी शामिल है। जब हम वायु प्रदूषण को सांस के जरिए अंदर लेते हैं, तो पीएम2.5 नामक बहुत छोटे कण फेफड़ों के माध्यम से रक्तप्रवाह में प्रवेश करते हैं। लीवर, जो रक्त से विषाक्त पदार्थों को छानता है, फिर इन पदार्थों को जमा करता है, जिसमें आर्सेनिक, सीसा, निकल और जस्ता जैसी भारी धातुएं शामिल हैं।

कैसे वायु प्रदूषण फैटी लिवर का कारण बनता है

वायु प्रदूषण में मौजूद पीएम 2.5, नाइट्रोजन ऑक्साइड (एनओ2) और ओजोन (ओ3) जैसे तत्व शरीर में प्रवेश कर लिवर में सूजन और चर्बी जमा करने की प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं। जब शरीर ज्यादा टॉक्सिन्स को प्रोसेस करता है, तो लिवर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ जाता है, जिससे फैटी लिवर होने की संभावना बढ़ जाती है। वायु प्रदूषण मेटाबॉलिज्म को धीमा कर सकता है और इंसुलिन रेजिस्टेंसबढ़ा सकता है, जिससे लिवर में फैट जमा होने की प्रक्रिया तेज हो जाती है।

कैसे बचें वायु प्रदूषण के प्रभाव से?

सुबह जल्दी या कम प्रदूषित जगह पर वॉक करें।

घर और ऑफिस में एयर प्यूरीफायर लगाएं।

हरी सब्जियां, फल, हल्दी और ग्रीन टी को डाइट में शामिल करें।

रोजाना नींबू पानी और हाइड्रेटिंग फूड्स लें।

योग और एरोबिक एक्सरसाइज से लिवर हेल्दी बना रहता है।

लखनऊ में अभिनव भारत पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन आज, तैयारियां पूरी

लखनऊ,(संवाददाता)। क्रांतिकारी वीर विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि के अवसर पर कल 26 फरवरी को प्लूटो हॉल, इन्दिरागांधी प्रतिष्ठान में होने जा रहे अभिनव भारत पार्टी के द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी है। अधिवेशन में शामिल होने के लिये मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री रहे कम्प्यूटर बाबा, साधू-संतों सहित देश के विभिन्न राज्यों से कार्यकताओं का देर रात तक पहुंचना जारी रहा। पार्टी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राष्ट्रीय अध्यक्ष की अधिकारिक घोषणा के साथ उत्तर प्रदेश के आगामी चुनाव और भावी रणनीति को लेकर चर्चा की जायेगी। पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव ममता झा ने आज यहां जारी विज्ञप्ति में अधिवेशन की जानकारी देते हुये बताया अधिवेशन की तैयारियां पूरे उत्साह और व्यापक स्तर पर पूरी कर ली गयी हैं। देश के विभिन्न राज्यों से पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा अनेक प्रमुख संत-महात्माओं की गरिमामयी उपस्थिति की संभावना है। ममता झा ने कहा कि वीर सावरकर के विचारों राजनीति का हिन्दूकरण और हिन्दुओं का सैनिकीकरण की वैचारिक पृष्ठभूमि पर गठित अभिनव भारत पार्टी स्वयं को चिंतन, आंदोलन और क्रांति की धारा से प्रेरित राजनीतिक संगठन मानती है।

क्या अब सेमीफाइनल में पहुंच सकता है पाकिस्तान? दिलचस्प हैं ग्रुप-2 के समीकरण

नई दिल्ली। सवाल है कि क्या पाकिस्तान सेमीफाइनल में पहुंच सकता है? तो इसका जवाब हैं हां, लेकिन राह अब बहुत बहुत कठिन है और उसे दूसरी टीमों पर निर्भर रहना है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की हार पर उछलने वाला पाकिस्तान अब खुद की हार पर रो रहा है। मंगलवार को उसे इंग्लैंड ने सुपर-8 ग्रुप-दो के मुकाबले में शिकस्त दी। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 164 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड ने कप्तान हैरी ब्रूक के शतक की बदौलत 19.1 ओवर में आठ विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ इंग्लैंड की टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर गई। वहीं, पाकिस्तान की टीम की स्थिति अब अधर में है। क्या सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर सकता है पाकिस्तान? अब सवाल है कि क्या पाकिस्तान सेमीफाइनल में पहुंच सकता है? तो इसका जवाब हैं हां, लेकिन राह अब बहुत बहुत कठिन है और उसे दूसरी टीमों पर निर्भर रहना है। समीकरण अब पाकिस्तान के हाथ से निकल चुके हैं और अन्य टीमों के नतीजे ही पाकिस्तान का रास्ता खोलेंगे। पड़ोसी मुल्क के लिए एक नुकसान यह है कि उसके दो मैच हो चुके हैं और अब उसे सुपर-8 ग्रुप-दो का सिर्फ एक मैच खेलना है। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला बारिश से धुल गया था और दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले थे। इंग्लैंड ने भी दो मैच खेल लिए हैं, जबकि श्रीलंका और न्यूजीलैंड को अब भी दो-दो मैच खेलने हैं। समीकरण नंबर-1: न्यूजीलैंड अपने दो मैच हारे और पाकिस्तान श्रीलंका को हराए

पाकिस्तान के लिए पहला समीकरण यह है कि उसे श्रीलंका के खिलाफ जीत हासिल करनी ही होगी। साथ ही यह मनाना होगा कि श्रीलंका और इंग्लैंड की टीमें न्यूजीलैंड को हरा दे। इस तरह न्यूजीलैंड सिर्फ एक अंक पर ही रह जाएगा, जबकि श्रीलंका दो अंक तक पहुंच पाएगा। पाकिस्तान की श्रीलंका पर जीत उसे तीन अंक तक ले जाएगी। इस तरह न्यूजीलैंड और श्रीलंका दौड़ से बाहर हो जाएंगे और इंग्लैंड के साथ पाकिस्तान क्वालिफाई कर सकेगी। यह पाकिस्तान के लिए सबसे आसान समीकरण है। न्यूजीलैंड की टीम अगर अपने दोनों में से एक भी मैच जीतती है तो पाकिस्तान की राह मुश्किल हो जाएगी, लेकिन फिर भी उसके पास मौका होगा। न्यूजीलैंड का मौजूदा नेट रन रेट शून्य है। उसका अगला मैच आज श्रीलंका से फिर 27 को इंग्लैंड से है। अगर न्यूजीलैंड श्रीलंका को हरा देता है तो उसका नेट रन रेट पॉजिटिव हो जाएगा। वहीं, पाकिस्तान का नेट रन रेट -0.461 है। पाकिस्तान को फिर यह मनाना होगा कि न्यूजीलैंड बड़े अंतर से न जीते और न्यूजीलैंड श्रीलंका से जीतकर इंग्लैंड से हार जाए। इससे नेट रन रेट में थोड़ी कटौती होगी। पाकिस्तान के लिए फायदा यह है कि उसका आखिरी सुपर-8 मैच 28 फरवरी को श्रीलंका के खिलाफ है। ऐसे में न्यूजीलैंड के सारे सुपर-8 मैच पूरे हो चुके होंगे और उसके पास समीकरण होगा कि उसे न्यूजीलैंड के नेट रन रेट को पार करने के लिए कितने ओवर में या कितने रन से जीत हासिल करनी होगी। हालांकि, अगर पाकिस्तान श्रीलंका से एक रन से भी हारा तो उसका खेल खत्म हो जाएगा। पाकिस्तान पर कुदरत का निजाम होता रहा है। 2022 में किस्मत के सहारे टीम फाइनल में पहुंची थी। तो ऐसे में पाकिस्तानी फैंस यही मनाएंगे कि न्यूजीलैंड के आखिरी दो मैच भी बारिश से धुल जाएं ताकि उसे एक-एक अंक और मिले। इस तरह न्यूजीलैंड के तीन अंक हो पाएंगे, लेकिन नेट रन रेट शून्य रह जाएगा। इस स्थिति में पाकिस्तान को श्रीलंका को हराना और नेट रन रेट कुछ पॉजिटिव करने से काम बन जाएगा। अगर न्यूजीलैंड एक मैच में हार जाए और उसका दूसरा बारिश से धुल जाए तो भी कीवियों के दो अंक हो पाएंगे। तब पाकिस्तान के लिए बस श्रीलंका पर जीत काफी होगा। हालांकि, अगर न्यूजीलैंड एक मैच जीत जाता है और उसका दूसरा मैच बारिश से धुल जाता है तो कीवियों के चार अंक हो जाएंगे और टीम क्वालिफाई कर जाएगी। समीकरण नंबर-4: यह सबसे अजीब और दिलचस्प स्थिति समीकरण नंबर चार सबसे अजीब और दिलचस्प स्थिति हो सकती है। अगर पाकिस्तान का मुकाबला श्रीलंका के खिलाफ बारिश के कारण रद्द हो जाता है, तो पाकिस्तान दो अंकों पर खत्म करेगा। साथ ही, अगर श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाला मैच भी बारिश की भेंट चढ़ जाता है, तो मेजबान टीम (श्रीलंका) भी दो अंकों पर ही समाप्त करेगी। अब अगर न्यूजीलैंड अपनी दूसरी भिड़ंत में इंग्लैंड से हार जाता है, जबकि उसका श्रीलंका वाला मैच रद्द हो चुका हो, तो न्यूजीलैंड भी दो अंकों पर रहेगा। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान, श्रीलंका और न्यूजीलैंड, तीनों के दो-दो अंक होंगे। तब सेमीफाइनल में इंग्लैंड के साथ वही टीम पहुंचेगी, जिसका नेट रन रेट इन तीनों में सबसे बेहतर होगा। न्यूजीलैंड के लिए सबसे अच्छा मौका न्यूजीलैंड की टीम इस विश्वकप में शानदार फॉर्म में रही है। ग्रुप स्टेज में उसने चार में से तीन मैच जीतेथए और यूएई, अफगानिस्तान और कनाडा को हराया था। कीवियों को बस दक्षिण अफ्रीका से हार मिली थी। न्यूजीलैंड के पास कुछ दमदार खिलाड़ी हैं, जो मैच जिताने का दमखम रखते हैं। कुछ हद तक इस ग्रुप का फैसला आज प्रेमदासा स्टेडियम में होने वाले मैच से ही साफ हो जाएगा। कीवी अगर जीते तो उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और टीम फिर इंग्लैंड को हराने की कोशिश भी करेगी। वहीं, श्रीलंका का नेट रन रेट सबसे बड़ा निगेटिव है। उसे अब बाकी दोनों मैचों में बड़ी जीत की दरकार है।

आज कोलंबो में श्रीलंका का मुकाबला न्यूजीलैंड से कीवी जीते तो पाकिस्तान का थम जाएगा सफर

कोलंबो। कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में न्यूजीलैंड का श्रीलंका खिलाफ शानदार रिकॉर्ड है। यहां दोनों के बीच दो मुकाबले हुए हैं और दोनों में ही कीवियों ने जीत हासिल की है। ये दोनों मुकाबले 2009 में ही खेले गए थे। दोनों में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी की थी। 17 साल बाद टी20 में इस मैदान पर न्यूजीलैंड और श्रीलंका की टीमें आमने-सामने होंगी। टी20 विश्व कप 2026 में बुधवार को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच सुपर-8 का बेहद अहम मुकाबला खेला जाएगा। मैच शाम सात बजे से खेला जाएगा। इस मैच में जीत श्रीलंका या कीवियों को सेमीफाइनल की राह में बनाए रखेगी, जबकि पाकिस्तान लगभग बाहर

हो जाएगा। ऐसे में श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच कड़ी टक्कर होने की संभावना है। सेमीफाइनल की उम्मीद बनाए रखने के लिए अहम मैच न्यूजीलैंड का सुपर-8 में न्यूजीलैंड का पहला मुकाबला पाकिस्तान से था। यह मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था और कीवी टीम को एक अंक से संतोष करना पड़ा था। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ जीत दर्ज कर न्यूजीलैंड सेमीफाइनल की राह की संभावना को बनाए रखने की कोशिश करेगी। वहीं, श्रीलंका को सुपर-8 के अपने मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। सेमीफाइनल की रेस में बने रहने के लिए श्रीलंका के लिए भी इस मैच में जीत दर्ज करना ही एकमात्र विकल्प है। प्रेमदासा की पिच रिपोर्ट और मौसम का हाल श्रीलंका में खेले जा रहे मैचों पर बारिश का असर रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक श्रीलंका-न्यूजीलैंड मैच के दौरान भी आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। बारिश खलल डाल सकती है। अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री रहने का अनुमान है। वहीं, आर. प्रेमदासा स्टेडियम की पिच स्पिन गेंदबाजों की मददगार मानी जाती है। मैच की शुरूआत में बल्लेबाजों को रन बनाने में ज्यादा कठिनाई नहीं होती, लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता है, पिच धीमी हो जाती है, और स्पिनर को हावी होने का मौका मिलता है। इस मैदान पर पहली पारी का औसत स्कोर 152 रन है। इस मैदान पर सर्वाधिक स्कोर बांग्लादेश का है। बांग्लादेश ने श्रीलंका के खिलाफ ही 2018 में 5 विकेट पर 215 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड ५२ श्रीलंका हेड टू हेड श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच टी20 मुकाबले हमेशा रोमांचक रहे हैं।

मना रहे थे भारत बाहर हो जाए, जब पाकिस्तान पर तलवार लटकी तो बदल गए तेवर

कराची। इंग्लैंड से हार के बाद शोएब अख्तर का भारत को लेकर दिया गया बयान उन पर भारी पड़ गया। उन्होंने कप्तान सलमान अली आगा की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाए। वहीं हैरी ब्रूक के ऐतिहासिक शतक ने इंग्लैंड को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया, जबकि पाकिस्तान की राह मुश्किल हो गई। पाकिस्तानी क्रिकेटर कुछ न कुछ ऐसा करते हैं, जिससे वह सुर्खियों

या फिर विवादों में बने रहते हैं। टी20 विश्वकप के दौरान पाकिस्तान में कई क्रिकेट शो चलते हैं और हर बार शो में पूर्व क्रिकेटर कुछ न कुछ ऐसा कह देते हैं, जो विवादित होता है। इसमें सबसे दिलचस्प यह है कि पिछले कुछ आईसीसी टूर्नामेंट्स में पाकिस्तान का प्रदर्शन बेहद खराब और भारत का उतना ही अच्छा रहा है और पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर इससे बौखलाए हुए हैं। बस टी20 विश्वकप 2026 में भारत की एक हार से वह खुश हो गए और उछलने लगे, लेकिन उनकी खुद की टीम की हार से इस खुशी पर पानी फिर जाता है। ऐसा ही कुछ दिग्गज तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के साथ देखने को मिला। रावलपिंडी एक्सप्रेस के नाम से मशहूर अख्तर इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पहले तो बेहद खुश नजर आ रहे थे और भारत के बाहर होने की कामना कर रहे थे, लेकिन जैसे ही इंग्लैंड से उनकी टीम को पिटाई पड़ी, अख्तर ने रंग बदल लिए। उनके तेवर बिल्कुल ही बदले बदले नजर आए। आइए जानते हैं पूरा मामला क्या है... हार पर शोएब अख्तर के बदले तेवर टी20 वर्ल्ड कप सुपर 8 में पाकिस्तान की इंग्लैंड से करारी हार के बाद अख्तर लाइव टीवी शो 'गेम ऑन है' पर नाराज नजर आए। मैच से पहले शो में अख्तर ने कहा था, 'मैं उम्मीद करता हूं कि इंग्लैंड खराब खेले ताकि हम दो अंक ले सकें। अगर भारत बाहर हो जाए और हम सेमीफाइनल में पहुंच जाएं तो हमारी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।' हालांकि, यह बयान पाकिस्तान की हार के बाद उल्टा पड़ गया और सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। पाकिस्तान की हार के बाद वह अपने कप्तान सलमान अली आगा पर बरस पड़े। उनके यू-टर्न का फैंस मजाक बना रहे हैं। इंग्लैंड से हार के बाद पाकिस्तान पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। अब कोई चमत्कार ही उन्हें सेमीफाइनल में जगह दिला सकता है। शोएब अख्तर ने कप्तान पर उठाए सवाल पल्लेकेले में मिली हार के बाद अख्तर ने कप्तान सलमान अली आगा की नेतृत्व क्षमता पर सवाल खड़े कर दिए। दिलचस्प बात यह है कि कप्तान नियुक्त किए जाने पर अख्तर ने ही सबसे पहले इस फैसले का स्वागत किया था। अब हार के बाद उन्होंने यू-टर्न लेते हुए कहा कि टीम की अगुवाई के लिए मजबूत नेतृत्व की जरूरत है। शोएब अख्तर के इस आफ्टर और बिफोर के वीडियो को फैंस सोशल मीडिया पर खूब शेयर कर रहे हैं। सकलैन मुश्ताक की भी हुई किरकिरी इसी शो में सकलैन मुश्ताक भी इंग्लैंड से मैच से पहले कहते दिखे, 'पाकिस्तान अगर अपने दम पर खेले तो किसी भी टीम को हरा सकती है। उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ पिछला रिकॉर्ड देखने की जरूरत नहीं है। पाकिस्तानी खिलाड़ियों में वह दमखम है। अगर पाकिस्तान जीता तो शोएब की बात सही हो जाएगी।' हालांकि, सकलैन मुश्ताक का चेहरा भी हार के बाद लटक गया। इतना ही नहीं, हार के बाद सकलैन की तो दामाद शादाब खान के प्रदर्शन को लेकर पूर्व ऑलराउंडर मोहम्मद हफीज से तीखी बहस तक हो गई। इस तरह एक बार फिर पाकिस्तान का मजा किरकिरा हो गया। उनके हालात बदल गए, जज्बात बदल गए...। हैरी ब्रूक की ऐतिहासिक पारी इंग्लैंड की ओर से कप्तान हैरी ब्रूक ने 51 गेंदों में 100 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। 165 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड 58/4 की मुश्किल स्थिति में था, लेकिन ब्रूक ने आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को जीत दिलाई। यह टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में किसी कप्तान का पहला शतक भी रहा। हालांकि, शाहीन अफरीदी ने 4/30 के आंकड़े के साथ शानदार गेंदबाजी की, लेकिन अंत में जोफ्रा आर्चर ने विजयी चौका लगाकर इंग्लैंड को 19.1 ओवर में 166/8 तक पहुंचा दिया। कप्तान आगा ने की ब्रूक की तारीफ मैच के बाद सलमान अली आगा ने कहा, 'जब भी हम इंग्लैंड से हारते हैं, वजह हमेशा वही होते हैं।

मांजरेकर ने भारत के मुख्य कोच पर साधा निशाना, कहा- गंभीर के लिए हर मर्ज की एक दवा हैं वॉशिंगटन सुंदर

नई दिल्ली। संजय मांजरेकर एक बार फिर चर्चा में हैं। उन्होंने मुख्य कोच गंभीर पर जो बयान दिया है, उससे सोशल मीडिया दो हिस्सों में बंट गया है। कुछ लोग मांजरेकर के इस बयान को सही बता रहे हैं, वहीं कुछ इसे बिना वजह टिप्पणी बता रहे हैं। मांजरेकर का यह बयान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 मैच में टीम इंडिया की हार के बाद आया है। टी20 विश्वकप 2026 में सुपर-8 राउंड में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। इस हार से भारतीय टीम के लिए सेमीफाइनल का रास्ता मुश्किल हो गया है। उसे बाकी बचे दोनों मैचों में बड़े अंतर से जीत हासिल करनी होगी। दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद कई पूर्व दिग्गज क्रिकेटर भारतीय प्लेइंग-11 पर सवाल उठा रहे हैं। सबसे ज्यादा चर्चा जिस बात की हो रही है, वह है उपकप्तान अक्षर पटेल को बेंच पर बैठाकर वॉशिंगटन सुंदर को खिलाने की। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुंदर न तो गेंदबाजी में चले और न ही बल्लेबाजी में। अब इसको लेकर संजय मांजरेकर का बयान सामने आया है। उन्होंने मुख्य कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है। मांजरेकर ने गंभीर पर तंज कसा सुंदर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केवल दो ओवर गेंदबाजी मिली और उन्होंने बिना विकेट लिए 17 रन खर्च किए। बल्ले से सुंदर सिर्फ 11 रन का योगदान दे सके। इसके बाद मांजरेकर ने गंभीर पर तंज कसते हुए स्पोर्ट्स नेक्स्ट पर बातचीत में कहा- कैलाश जीवन, इस नाम की एक दवा हुआ करती थी पहले। अगर आपको सिरदर्द है, तो आप उसे लगा सकते थे। अगर आपके पेट में दर्द है, तो आप उसे खा सकते थे। वह हर मर्ज की एक दवा थी। गौतम गंभीर के पास भी हर मर्ज की एक दवा है। सब उसका नाम जानते हैं- वॉशिंगटन सुंदर। बल्लेबाजी में कोई दिक्कत है तो सुंदर को ले आओ टीम में। गेंदबाजी में कोई समस्या है तो फिर वही सुंदर को ले आओ टीम में। सबका एक ही जवाब है। उन्हें बाकी बल्लेबाजों पर तरजीह दी गई। सुंदर पांचवें नंबर पर खेलने आए। दुबे छह पर, हार्दिक सात पर और रिंकू आठ पर। अब बहुत हो गया यह प्रयोग।' आउट ऑफ फॉर्म बल्लेबाज होगा बाहर? सुपर-8 में दक्षिण अफ्रीका से 76 रन की करारी हार के बाद भारतीय टीम में मंथन तेज हो गया है। टीम मैनेजमेंट अब कम से कम एक आउट-ऑफ-फॉर्म बल्लेबाज को बाहर करने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। मुख्य कोच गौतम गंभीर के सहयोगी कोच रेयान टेन डेशकाटे और बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने संकेत दिए हैं कि अगले मैच में प्लेइंग-11 में बदलाव संभव है। भारत को अब सुपर-8 राउंड में 26 फरवरी को जिम्बाब्वे से चेन्नई में और एक मार्च को कोलकाता में वेस्टइंडीज से खेलना है। रिंकू सिंह के भी खेलने पर सस्पेंस है, क्योंकि वह मंगलवार को परिवार में आपात की स्थिति में घर लौट गए। वह टीम से कब जुड़ेंगे, इस पर अपडेट नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनके पिता अस्पताल में भर्ती हैं। इसके अलावा सुंदर को बाहर कर अक्षर पटेल की वापसी हो सकती है। कोचिंग स्टाफ ने क्या कहा? बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने साफ कहा, 'अगर हेड कोच और टीम मैनेजमेंट को लगता है कि हमें कुछ अलग करना चाहिए, तो हम बदलाव करेंगे। अब हम उस मोड़ पर हैं जहां सोचना होगा कि क्या बदलें और कैसे बदलें।' उन्होंने आगे कहा, 'हमें यह तय करना होगा कि क्या उसी संयोजन के साथ जाएं या कुछ नया आजमाएं।' वहीं, रेयान टेन डेशकाटे ने संकेत दिया कि दाएं-बाएं हाथ के बल्लेबाजों के संतुलन पर भी चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा, 'क्या हम उन्हीं खिलाड़ियों के साथ बने रहें जिन्होंने पिछले 18 महीनों में अच्छा प्रदर्शन किया है या फिर संजू को मौका दें, जो एक शानदार खिलाड़ी हैं और रणनीतिक तौर पर टॉप ऑर्डर में दाएं हाथ का विकल्प देते हैं?'

मिलर संग वीडियो पड़ा भारी, इन्फ्लुएंसर को मिली दुष्कर्म की धमकी? शरीर को लेकर भी हुई अभद्र टिप्पणियां

अहमदाबाद। डेविड मिलर के साथ वायरल वीडियो के बाद आरजे प्रिंसी पारिख ने दुष्कर्म की धमकियों और बॉडी शेमिंग का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस में शिकायत करने की बात कही। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में भारत को दक्षिण अफ्रीका के हाथों 76 रन से हार का सामना करना पड़ा। अहमदाबाद में खेले गए इस मैच में डेविड मिलर ने 35 गेंदों पर 63 रन बनाकर टीम को 20 ओवर में 187/7 के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 76 रन से पीछे रह गई। मैच के बाद सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आरजे प्रिंसी पारिख ने मिलर के साथ एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह उन्हें घेरते हुए और चारों और घूमते हुए ताली बजाते हुए

उन पर तंज जैसा कुछ करती नजर आ रही थीं। वीडियो के कैप्शन में लिखा था, 'क्या खिलाड़ी हैं डेविड मिलर!' वहीं वीडियो के अंदर टेक्स्ट था, 'मुझे लगा था कि हम दोस्त हैं डेविड!' यह रील तेजी से वायरल हो गई। दुष्कर्म की धमकी और बॉडी शेमिंग का आरोप रील वायरल होने के बाद प्रिंसी पारिख ने आरोप लगाया कि उन्हें झकझोर देने वाली दुष्कर्म की धमकियां मिली हैं। पारिख ने यह भी बताया कि वीडियो के बाद उन्हें बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि लगातार मिल रही धमकियों के कारण उन्हें यह वीडियो फेसबुक से हटाना पड़ा। हालांकि यह वीडियो अब भी इंस्टाग्राम पर मौजूद है। पारिख ने कहा कि वह इन धमकियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगी। यह मामला सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग और ऑनलाइन उत्पीड़न को लेकर एक नई बहस छेड़ रहा है। मिलर और ब्रेविस की पारी की सराहना इस बीच, पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने दक्षिण अफ्रीका की संयमित बल्लेबाजी की तारीफ की। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'जिस तरह दक्षिण अफ्रीका के तीन विकेट गिरे, उस समय बुमराह शानदार गेंदबाजी कर रहे थे।

इस साल अगस्त में खेले जाएंगे दो मुकाबले 22 साल बाद डार्विन में होगा टेस्ट मैच

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, 'हम उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट लाकर बहुत खुश हैं। बांग्लादेश के खिलाफ एक शानदार टेस्ट सीरीज का हम इंतजार कर रहे हैं।' बांग्लादेश क्रिकेट टीम के लिए अगस्त 2026 बेहद अहम रहने वाला है। दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए बांग्लादेश अगस्त में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। 2003 के बाद यह पहला मौका होगा जब बांग्लादेश ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज खेलेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले दोनों टेस्ट मैचों के लिए वेन्यू की घोषणा कर दी है। दोनों टेस्ट नई जगहों पर खेले जाएंगे। मैच डार्विन के मारारा स्टेडियम और मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में खेले जाएंगे।क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ ने क्या कहा? क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, 'हम उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट लाकर बहुत खुश हैं। बांग्लादेश के खिलाफ एक शानदार टेस्ट सीरीज का हम इंतजार कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'हम खुशकिस्मत हैं कि अगस्त में वर्ल्ड क्लास सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे यह पक्का होगा कि गर्मियों के अलावा हमारे पास टेस्ट क्रिकेट के लिए एक और मौका है।' डार्विन 22 साल बाद टेस्ट मैच का मेजबान डार्विन में ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच सीरीज का पहला टेस्ट (13 से 17 अगस्त) खेला जाएगा। इसका मारारा स्टेडियम 22 साल बाद किसी टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। इससे पहले यहां जुलाई 2004 में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच पिछला टेस्ट खेला गया था। बांग्लादेश की टीम भी डार्विन में 2003 में एक टेस्ट खेल चुकी है। वहीं, ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में दूसरा टेस्ट (22 से 26 अगस्त) खेला जाएगा। इस वेन्यू का यह पहला टेस्ट मैच होगा। इस स्टेडियम में पुरुषों के सिर्फ वनडे मैच खेले गए हैं। वहीं महिला टीम के तीन वनडे और दो टी20 आयोजित किए गए हैं। ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश टेस्ट में हेड टू हेड ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच यह चौथी टेस्ट सीरीज होगी। दोनों देशों के बीच अब तक छह टेस्ट खेले गए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैच जीते हैं, जबकि बांग्लादेश को भी एक मैच जीतने में सफलता मिली है। बांग्लादेश ने मीरपुर में 2017 में खेले गए टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को हराया था।

हार के बाद लाइव शो में भिड़े पाकिस्तानी दिग्गज, हफीज और शादाब के ससुर सकलैन मुश्ताक के बीच हुई तीखी बहस

कराची। इंग्लैंड से हार के बाद पाकिस्तान की सेमीफाइनल राह मुश्किल हो गई है। मैच के बाद साकलैन मुश्ताक और मोहम्मद हफीज के बीच मोहम्मद नवाज की भूमिका को लेकर ऑन-एयर तीखी बहस हुई। वहीं हैरी ब्रूक के शतक ने इंग्लैंड को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में पाकिस्तान को इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इस शिकस्त ने पाकिस्तान की सेमीफाइनल की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया है। अब टीम को श्रीलंका के खिलाफ अपना आखिरी मैच जीतना होगा और अन्य नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला बारिश में धुलने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ जीत बेहद जरूरी थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। शादाब की भूमिका पर ऑन-एयर बहस हार के बाद पाकिस्तानी टीवी शो 'गेम ऑन है' में पूर्व दिग्गज सकलैन मुश्ताक और मोहम्मद हफीज के बीच ऑलराउंडर शादाब खान की भूमिका को लेकर तीखी बहस छिड़ गई। शादाब सकलैन के दामाद हैं। शादाब ने 2023 में सकलैन की बेटी मलायका सकलैन से निकाह किया था। शो के दौरान सकलैन ने शादाब का बचाव करते हुए हफीज से कहा, 'वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में सक्षम हैं। आप उनके बारे में इस तरह बात नहीं कर सकते।' इस पर हफीज ने सवाल उठाया, 'उनकी पहली प्राथमिकता क्या है, क्या वह बल्लेबाजी ऑलराउंडर हैं या गेंदबाजी ऑलराउंडर?' इस पर सकलैन ने जवाब दिया, 'मुझे लगता है कि वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में बराबर अच्छे हैं।' हफीज ने आगे कहा, 'अगर ऐसा है तो उन्हें नंबर पांच पर क्यों नहीं खिलाया जाता? मैं भी ऑलराउंडर था, लेकिन मेरी प्राथमिक जिम्मेदारी बल्लेबाजी थी।

दिल्ली कोर्ट का बड़ा फैसला, धवन की पूर्व पत्नी को 5.7 करोड़ रुपये लौटाने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली पारिवारिक अदालत ने शिखर धवन की पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी को 5.7 करोड़ रुपये लौटाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने ऑस्ट्रेलिया में हुए संपत्ति समझौते को धोखाधड़ी और दबाव में कराया गया बताया। साथ ही नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का निर्देश दिया गया और ऑस्ट्रेलियाई आदेशों को अमान्य ठहराया। दिल्ली की फैमिली कोर्ट ने भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन की पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी को 5.7 करोड़ रुपये (लगभग 8.94 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर) लौटाने का आदेश दिया है। अदालत ने पाया कि ऑस्ट्रेलिया में हुआ संपत्ति समझौता धमकी, जबरन वसूली और धोखाधड़ी के जरिए कराया गया था। पटियाला हाउस कोर्ट के जज देवेंद्र कुमार गर्ग ने सभी सेटलमेंट दस्तावेजों को शून्य और अमान्य घोषित कर दिया। अदालत ने कहा कि धवन ने इन दस्तावेजों पर धमकी, जबरन वसूली, छल और धोखाधड़ी के दबाव में हस्ताक्षर किए थे। ऑस्ट्रेलियाई आदेशों पर रोक अदालत ने फरवरी 2024 में ऑस्ट्रेलियाई कोर्ट द्वारा पारित आदेशों के अमल पर भी रोक लगा दी। उन आदेशों में दंपति की वैश्विक संपत्तियों का बंटवारा किया गया था, जिसमें भारत स्थित धवन की संपत्तियां भी शामिल थीं। ऑस्ट्रेलियाई अदालत ने संपत्ति के कुल पूल का 15 प्रतिशत हिस्सा आयशा मुखर्जी को दिया था। इसके अलावा उन्हें 7.46 करोड़ रुपये की संपत्ति रखने की अनुमति दी गई थी और अतिरिक्त 15.95 करोड़ रुपये तथा एक प्रॉपर्टी ट्रांसफर करने का आदेश दिया गया था। हालांकि, दिल्ली कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वैवाहिक विवादों के निपटारे का अधिकार ऑस्ट्रेलियाई अदालत के पास नहीं था। दबाव और बदनामी की धमकी के आरोप धवन ने अदालत को बताया कि 2012 में शादी के तुरंत बाद मुखर्जी ने झूठे और मानहानिकारक आरोप सार्वजनिक करने की धमकी दी, जिससे मेरी प्रतिष्ठा और क्रिकेट करियर बर्बाद हो सकता था। उन्होंने दावा किया कि कई संपत्तियां उन्होंने अपनी कमाई से खरीदीं, लेकिन दबाव में उन्हें संयुक्त नाम या पूरी तरह मुखर्जी के नाम पर पंजीकृत करना पड़ा। एक मामले में तो खरीदी गई संपत्ति में मुखर्जी को 99 प्रतिशत मालिक दिखाया गया था। सभी सबूतों पर विचार करने के बाद अदालत ने धवन के पक्ष में फैसला सुनाया और कहा कि वे ऑस्ट्रेलियाई अदालत के आदेशों से बाध्य नहीं हैं। साथ ही, 5.7 करोड़ रुपये पर केस दायर करने की तारीख से नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का भी निर्देश दिया गया।

मनोरंजन

बाप की हत्या का आरोपी बोला,सॉरी गलती हो गई, पैथोलॉजी मालिक का पन्नी में बंधी बॉडी का अंतिम संस्कार

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी में पैथोलॉजी मालिक मानवेंद्र सिंह का हत्या के 6वें दिन अंतिम संस्कार कर दिया गया। बुधवार की सुबह भैंसाकुंड घाट बैकुंठ धाम पर उन्हें छोटे भाई दरोगा अरविंद सिंह के बेटे कृत्य सिंह ने मुखाग्नि दी। पीएम हाउस से पन्नी में बंधी डेडबॉडी आई, उसका उसी तरह अंतिम संस्कार कर दिया गया। मृतक के पिता सुरेंद्र पाल सिंह चलने-फिरने में असमर्थ हैं जिस वजह से श्मशान घाट नहीं गए। अंतिम संस्कार के दौरान मृतक मानवेंद्र की डेडबॉडी से कवर नहीं हटाया गया। ऊपर से ही शव को नहलाया गया, रिश्तेदारों ने लकड़ियां रखीं। उसके बाद भतीजे कृत्य ने अग्नि लेकर चिता के चारों तरफ घूमते ही दाह संस्कार कर दिया। इस दौरान मृतक मानवेंद्र के भाई अरविंद सिंह बहुत रो रहे थे। मानवेंद्र की हत्या उनके ही 21 साल के बेटे अक्षत ने 20 फरवरी को सुबह 4.30 बजे की थी। आशियाना थाने में पुलिस ने आज अक्षत को मीडिया के सामने किया। इसके साथ ही हत्या में इस्तेमाल की गई राइफल, तारपीन तेल, आरी जैसी चीजें भी दिखाईं। इसके बाद उसे मेडिकल के लिए अस्पताल ले जाने तो वह मीडिया से घिर गया। बार-बार पूछे जाने पर उसने धीरे से कहा सॉरी मुझसे गलती हो गई।

मलाइका अरोड़ा ने पहनी ऐसी ड्रेस कि चलना हुआ मुश्किल !

मलाइका अरोड़ा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो पर यूजर्स ने एक डर की ओर ध्यान दिलाया है।

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा 52 साल की उम्र में भी काफी फिट रहने के लिए जानी जाती हैं। वह अपने अलग-अलग स्टाइल से फैंस का ध्यान खींचती रहती हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस पर फैंस कमेंट कर रहे हैं। आइए देखते हैं इसमें क्या खास है?

वायरल वीडियो में क्या है?

सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें देखा जा सकता है कि मलाइका अरोड़ा ने हरे रंग की काफी लंबी ड्रेस पहनी है। यह ड्रेस इतनी लंबी है कि जब वह चलती हैं तो यह उनके पैरों तले आ रही है। उन्हें सीढ़ी उतरने के लिए एक आदमी का सहारा लेना पड़ रहा है। वह जब चल रही हैं तो ऐसा लग रहा है कि वह गिर जाएंगी।

फैंस ने किए कमेंट

वायरल वीडियो को कई लोगों ने लाइक किया है। कई यूजर्स ने मलाइका के लुक की तारीफ की है। वहीं कई फैंस ने इस बात को नोटिस किया है कि वह ड्रेस पहन कर चल नहीं पा रही हैं। एक यूजर ने कमेंट बॉक्स में लिखा है 'गिरने का इंतजार कर रही हैं।' एक और यूजर ने लिखा है 'गिर जाओगी।' एक यूजर ने उनकी तारीफ करते हुए लिखा है 'स्टाइल आइकन।'

चर्चा में आई मलाइका

हाल ही में मलाइका अरोड़ा का एक फोटो वायरल हुआ था। फोटो में वह हर्ष मेहता के साथ रोम के मशहूर ट्रेवी फाउंटेन पर सेल्फी ले रही थीं। इससे उनके रिश्ते की अटकलें लगीं। हालांकि मलाइका और हर्ष में से किसी ने भी अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में कुछ नहीं कहा।

अर्जुन कपूर के साथ जुड़ चुका नाम

मलाइका अरोड़ा पहले बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर के साथ लंबे समय तक रिलेशनशिप में थीं। उनका रिश्ता 2018 के आसपास शुरू हुआ।

2024 में वे अलग हो गए।

अरबाज के साथ रिश्ता

मलाइका अरोड़ा ने साल 1998 में अरबाज खान से शादी की थी। दोनों ने साल 2002 में बेटे अरहान खान का स्वागत किया। 19 साल साथ रहने के बाद दोनों 2017 में अलग हुए।

करण कुंद्रा ने गर्लफ्रेंड तेजस्वी प्रकाश पर अनोखे तरीके से बरसाया प्यार देखकर फैंस रह गए हैरान

करण कुंद्रा का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। जानिए इस वीडियो में करण ने तेजस्वी के लिए ऐसा क्या किया, जो अब चर्चा का विषय बना हुआ है॥

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश टेलीविजन की दुनिया के सबसे पसंदीदा और चर्चित कपल में से एक हैं। दोनों लगभग पिछले 11 साल से साथ में हैं। ये कपल एक-दूसरे पर प्यार लुटाने का भी कोई मौका नहीं छोड़ता है। अब करण ने तेजस्वी के लिए कुछ ऐसा किया है, जो चर्चा का विषय बना हुआ है।

करण ने बनवाया तेजस्वी का टैटू

करण कुंद्रा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ये वीडियो मुंबई में रमजान के दौरान आयोजित हुई इफ्तार पार्टी का है। इस दौरान करण ने अपने सीने पर बना

गर्लफ्रेंड तेजस्वी प्रकाश का टैटू पैपराजी को दिखाया। जिसे देख उनके फैंस और पैपराजी चौंक गए।

अभिनेता ने अपनी गर्लफ्रेंड तेजस्वी का चेहरा अपनी छाती के दाहिनी ओर गुदवाया है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि टैटू स्थायी है या अस्थायी। बैंगनी कुर्ते में सजे करण मुस्कुराते हुए अपने टैटू को दिखाते नजर आए। करण का ये वीडियो अब तेजी से वायरल है।

तेजस्वी को दिया सरप्राइज

इसके बारे में बुज्जूका स्पॉटलाइट से बात करते हुए करण ने बताया कि यह तेजस्वी के लिए एक सरप्राइज था। उन्होंने कहा कि उनकी पहली ओटीटी सीरीज रिलीज हो रही है और क्योंकि इसका नाम साइको सैयां है, इसलिए मैं साइको सैयां बन गया। यह तेजू के लिए एक सरप्राइज था। उन्होंने इसे अभी तक नहीं देखा है, लेकिन जब तक मैं घर पहुंचूंगा, वीडियो सबसे पहले उन तक पहुंच जाएगा।

2015 में हुई थी मुलाकात, अब करने जा रहे शादी

करण और तेजस्वी की मुलाकात बिग बॉस 15 के दौरान हुई थी। उनकी शुरूआती दोस्ती जल्द ही प्यार में बदल गई। उन्होंने शो में एक-दूसरे के प्रति अपने प्यार का इजहार किया और तब से साथ हैं। वे कुछ समय से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं। हाल ही में, एल्विश यादव के पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान, करण ने खुलासा किया कि वे इस साल शादी करने की योजना बना रहे हैं।

मां बनने के बाद पहली बार नजर आई कैटरीना कैफ, मास्क के बावजूद एक झलक से चुराई लाइमलाइट

बेटे विहान के जन्म के बाद कैटरीना कैफ पहली बार पब्लिक में नजर आईं। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जो काफी सुर्खियां बटोर रहा है।

एक्ट्रेस कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने अपने बेटे विहान कौशल का 7 नवंबर 2025 को स्वागत किया। इसके बाद विक्की कौशल कई बार ईवेंट्स में नजर आए, लेकिन लोग कैटरीना को याद कर रहे थे। मंगलवार रात को बेटे के जन्म के बाद पब्लिक में नजर आईं। इस वीडियो के सामने आने के बाद तो जैसे कमेंट्स की बाढ़ आ गई।

कैटरीना का वीडियो हुआ वायरल

कैटरीना अपनी ट्रेनर यास्मीन कराचीवाला के साथ बाहर निकली थीं। एक्ट्रेस ने सिंपल काले कलर की जैकेट पहनी थी और पॉनी टैल की हुई थी। कार में बैठते हुए उन्होंने फैंस की तरफ हाथ हिलाया और मुस्कुराईं। हालांकि उन्होंने पैपराजी के लिए मास्क नहीं उतारा।

वीडियो पर फैंस ने बरसाया प्यार

इसके बाद वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और कमेंट सेक्शन में फैंस ने खूब कमेंट किए। एक ने लिखा- भले ही उन्होंने मास्क लगाया हुआ है, लेकिन मुझे फील हो रहा है कि वे सच में खुश हैं। दूसरे ने कमेंट किया- कैटरीना काफी खुश लग रही हैं॥उनकी स्किन और ग्लो देखो। जिंदगी ने उनकी काफी परीक्षा ली है॥उम्मीद है वे आगे भी ऐसे ही खुश रहें। वहीं एक यूजर ने लिखा- है भगवान, ये कितनी खूबसूरत लग रही हैं।

सलमान की को-एक्टर डेजी शाह ने दी सलीम खान की हेल्थ अपडेट

सलमान खान के साथ काम कर चुकीं अभिनेत्री डेजी शाह ने अभिनेता के पिता सलीम खान की तबीयत के बारे में अपडेट दी है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा है?

सलमान खान के पिता सलीम खान इन दिनों अस्पताल में भर्ती हैं। फैंस उनके जल्दी ठीक होने की दुआएं की हैं। डॉक्टरों के मुताबिक सलीम खान को हल्का ब्रेन हेमरेज हुआ था, जिसके बाद सर्जरी की गई। इस दौरान शाहरुख खान, आमिर खान, रणवीर सिंह और दूसरे लोगों ने राइटर और उनके परिवार से मुलाकात की। अब, सलमान खान की 'जय हो' को-स्टार डेजी शाह ने उनकी हेल्थ पर एक अपडेट शेयर की है।

डेजी शाह क्या बोलीं?

हाल ही में फिल्मी ज्ञान से बातचीत में डेजी शाह ने बताया 'मैं सलीम सर से नहीं मिल पाई, लेकिन मैं सलमान सर और उनके परिवार के साथ लगातार टच में हूं। सलीम सर अब ठीक हैं। वह स्टेबल हैं। सर्जरी अच्छी हुई, यह सफल रही और वह डॉक्टर की निगरानी में हैं। वह खतरे

से बाहर हैं।'

अस्पताल की अपडेट से नाराज परिवार

सलीम खान की सर्जरी के बाद, हॉस्पिटल ने उनकी हालत के बारे में एक मेडिकल बुलेटिन जारी किया। वैरायटी इंडिया ने एक सूत्र के हवाले से लिखा कि सलमान खान और उनका परिवार हॉस्पिटल के सलीम की हेल्थ के बारे में मीडिया के साथ अपडेट शेयर करने से खुश नहीं थे, क्योंकि वे इसे एक प्राइवेट मामला मानते हैं। सूत्र ने कहा, 'स्वास्थ्य एक प्राइवेट मामला है। कोई भी अपडेट मीडिया के साथ शेयर नहीं किया जाना चाहिए और कोई भी बातचीत परिवार पर छोड़ देना चाहिए।'

सलीम खान को क्या हुआ?

आपको बता दें कि कुछ दिनों से सलमान खान के पिता अस्पताल में भर्ती हैं। सलीम खान की देखभाल कर रहे डॉक्टर जमील पारकर ने बुधवार को अमर उजाला को बताया, ह्यउनको (सलीम खान) मामूली ब्रेन हैमरेज हुआ था, जिसमें सर्जरी की जरूरत नहीं होती है। उन पर डीएसए की प्रक्रिया की गई, लेकिन इसे सर्जरी नहीं कहेंगे। उनको आईसीयू में रखा गया है। पहले उन्हें डिस्चार्ज करने की बात कही गई थी, लेकिन जब उनको थोड़ा आराम हो जाएगा तब इस बारे में फैसला लिया जाएगा। फिलहाल वो वेंटिलेटर पर हैं, लेकिन रिकवर कर रहे हैं। उम्मीद है कि कल उन्हें वेंटिलेटर से हटाया जा सकता है। हालांकि, अधिक उम्र होने के चलते रिकवरी थोड़ी स्लो है।

सलमान के करीबी ने दी अपडेट

वहीं सलमान खान के करीबी और एक्टर संतोष शुक्ला ने अमर उजाला को बताया कि सलीम खान की तबीयत अब बेहतर है, उन्हें वेंटिलेटर से हटाया गया है।

डंकी जैसी फिल्म मुझे मिलना मुश्किल है, क्यों तापसी पन्नू ने कही ये बात? बोलीं- मैं सफल अभिनेत्री नहीं हूं

आखिर क्यों तापसी पन्नू का ये कहना है कि उनके लिए डंकी जैसी फिल्म मिलना मुश्किल है? जानिए अपने करियर और फिल्मोग्राफी को लेकर क्या कुछ तापसी ने कहा

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपनी हालिया रिलीज फिल्म अस्सी के लिए इन दिनों खूब तारीफें बटोर रही हैं। फिल्म को क्रिटिक्स ने काफी पसंद किया है और एक्टिंग की भी तारीफ हो रही है। तापसी अक्सर गंभीर मुद्दों पर आधारित फिल्में करती हैं। इसीलिए तापसी का मानना है कि डंकी जैसी फिल्म उन्हें मिलना काफी मुश्किल होता है। उन्होंने डंकी को अपनी फिल्मोग्राफी में एक तोहफा बताया है।

डंकी दस साल का तोहफा है

स्क्रीन के साथ बातचीत में तापसी पन्नू से जब पूछा गया कि डंकी जैसी कमर्शियल फिल्म करने के बाद अस्सी जैसी गंभीर और मुद्दे वाली फिल्म करने की प्रेरणा कहां से मिलती है? इस पर अभिनेत्री ने कहा कि 'डंकी' जैसी फिल्म मेरे जैसी अभिनेत्री के लिए मिलना मुश्किल है, क्योंकि मैं कोई कमर्शियल, मेनस्ट्रीम या सफल हीरोइन नहीं हूं।

मुझे यह रोल इसलिए मिला क्योंकि शायद उस रोल के लिए मुझ जैसी एक्ट्रेस की जरूरत थी। मुझे यही बताया गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मैंने 'अस्सी' और 'गांधारी' जैसी फिल्में पहले की हैं। इन्हीं फिल्मों ने मुझे इंडस्ट्री में अपनी जगह और पहचान दिलाई है। तो, यही मेरी सच्चाई है। 'डंकी' इन 10 साल के लिए मिला एक तोहफा है।

मैं अपने इस दर्शक वर्ग से खुश हूं

आगे डंकी जैसी कमर्शियल फिल्म मिलने के बारे में एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे नहीं पता कि मुझे दूसरी फिल्म मिलने में कितना समय लगेगा। यह एक संघर्ष है क्योंकि उन्हें अभी भी इस बात को स्वीकार करना है कि, हमें उसे पूरी तरह से सजे-धजे रूप में दिखाना होगा।

मैंने अपने करियर की शुरूआत दक्षिण में बड़े पैमाने पर बनी फिल्मों से की। मैंने अपने हिंदी करियर की शुरूआत डेविड धवन के साथ की। इससे ज्यादा कमर्शियल और बोल्ड फिल्म और क्या हो सकती है। फिर मैंने अनुभव सिन्हा और अनुराग कश्यप के साथ काम किया है।

निर्देशकों का चुनाव बहुत ही अनोखा होता है। मैं यह कर सकती हूं और वह कर सकती हूं। मुझे पता है कि किस चीज ने मुझे एक खास दर्शक वर्ग दिलाया। भले ही वह छोटा हो, लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने उन लोगों का विश्वास जीता है। हर अभिनेत्री को यह सौभाग्य नहीं मिलता। इसलिए, यह मेरा अपना क्षेत्र है।

राजकुमार हिरानी ने किया है डंकी का निर्देशन

राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित डंकी एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जो इल्लीगल इमिग्रेशन टेक्निक डंकी फ्लाइट पर आधारित है। फिल्म में शाहरुख खान ने मुख्य भूमिका निभाई है, उनके साथ तापसी, बोमन ईरानी, अनिल ग्रोवर और विक्रम कोचर भी हैं। विक्की कौशल ने फिल्म में कैमियो किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी।

कई सुपरहिट फिल्में ठुकरा चुके हैं शाहिद कपूर, लिस्ट देख उड़ जाएंगे होश रांझणा और 'रॉकस्टार' भी शामिल

एक्टर शाहिद कपूर ने इंडस्ट्री को कई सफल फिल्में दी हैं, लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि उन्होंने कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों के ऑफर भी ठुकराए, जो बाद में सुपरहिट साबित हुईं।

शाहिद कपूर न केवल अपनी दमदार एक्टिंग, बल्कि शानदार डांस और स्टाइलिश अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं। ये खूबियां उनकी हर फिल्म में दिखती हैं। पंकज कपूर के बेटे ने शाहिद कपूर की ठुकराई फिल्मों की लिस्ट में कई सुपरहिट फिल्में शामिल हैं। शाहिद ने व्यस्त होने के चलते, स्क्रिप्ट या किसी और वजह से ये प्रोजेक्ट्स छोड़े। आज शाहिद अपना जन्मदिन मना रहे हैं। आइए एक नजर डालते हैं फिल्मों की लिस्ट पर, जो उन्होंने छोड़ दी और बाद में जाकर वे फिल्में सुपरहिट साबित हुईं।

रंग दे बसंती

रंग दे बसंती साल 2006 में आई थी, राकेश ओमप्रकाश मेहरा की यह फिल्म पहले शाहिद कपूर को ऑफर हुई थी, लेकिन शूटिंग की व्यस्तता के कारण उन्होंने मना कर दिया। बाद में आमिर खान ने लीड रोल लिया। फिल्म में आमिर खान, आर. माधवन, सोहा अली खान और सिद्धार्थ के साथ कुणाल कपूर और शरमन जोशी जैसे सितारे शामिल हैं। यह बॉलीवुड की सबसे

आइकॉनिक और सुपरहिट फिल्मों में से एक बनी।

जिंदगी ना मिलेगी दोबारा

जिंदगी ना मिलेगी दोबारा, साल 2011 में रिलीज हुई, जिसका निर्देशन जोया अख्तर ने किया है। दोस्ती और जीवन की खूबसूरती को पर्दे पर उतारती फिल्म शाहिद को ऑफर हुई, लेकिन दूसरे प्रोजेक्ट्स के चलते उन्होंने इसे ठुकरा दिया। फिल्म में ऋतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल लीड में थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई और आज भी दर्शकों की फेवरेट है।

रॉकस्टार

इम्तियाज अली की म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा रॉकस्टार भी साल 2011 में आई थी। यह फिल्म पहले शाहिद को ऑफर हुई, लेकिन उन्होंने 'जब वी मेट' चुन लिया था। बाद में रणबीर कपूर ने इसमें लीड रोल निभाया। फिल्म ने रणबीर को स्टार बना दिया और आज भी क्लासिक मानी जाती है।

शुद्ध देसी रोमांस

सुशांत सिंह राजपूत और परिणीति चोपड़ा की शुद्ध देसी रोमांस फिल्म साल 2013 में आई थी। यह रोमांटिक ड्रामा पहले शाहिद को ऑफर हुई, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इसके बाद इसमें सुशांत सिंह राजपूत ने लीड रोल निभाया था।

रांझणा

आनंद एल. राय की इंटेंस लव स्टोरी रांझणा साल 2013 में सिनेमाघरों में आई थी। इस फिल्म के साथ धनुष ने बॉलीवुड डेब्यू किया था। लेकिन पहले ये फिल्म शाहिद को ऑफर हुई, मगर व्यस्त होने की वजह से उन्होंने इसे रिजेक्ट कर दिया। यह फिल्म दर्शकों की फेवरेट बनी और बॉक्स-ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई।

इसके अलावा, सिद्धार्थ आनंद की एक्शन रोमांस फिल्म 'बैंग बैंग', पुनीत मल्होत्रा की रोमांटिक कॉमेडी 'गोरी तेरे प्यार में', 'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई दोबारा', 'बेशर्म' जैसी फिल्में भी पहले शाहिद को ऑफर हुई थीं। लेकिन शाहिद ने उन्हें मना कर दिया।

ओ रोमियो में गैगस्टर लुक में नजर आए शाहिद

शाहिद कपूर की फिल्म ओ रोमियो फिलहाल सिनेमाघरों में लगी हुई है। ये फिल्म 13 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को लोगों से खासा प्यार मिल रहा है। इसमें शाहिद कपूर का किरदार मुंबई के गैगस्टर हुसैन उस्तरा से प्रेरित बताया जा रहा है। उनके साथ तृप्ति डिमरी फिल्म में हैं, जो रानी के रोल में हैं। इनके अलावा फिल्म में नाना पाटेकर, दिशा पटानी, अविनाश तिवारी और फरीदा जलाल भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

लाल बारादरी का फेंसिंग वर्क ठप, विश्वविद्यालय में भारी पुलिस बल तैनात

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय एलयू में 3 दिन तक चले बवाल और घमासान के बाद आज बुधवार को माहौल शांत दिखा। हालांकि, ऐहतियात के तौर पर मौके पर भारी पुलिस फोर्स की तैनाती रही। लाल बारादरी परिसर में बैरिकेडिंग लगाकर सभी की एंट्री भी बैन रही। प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्य भी हालात का जायजा लेते नजर आए। दूसरी तरफ, विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से बावल में शामिल छात्रों के खिलाफ जांच भी शुरू करने की बात कही गई। रविवार दोपहर से ही लाल बारादरी को लेकर कैंपस का माहौल बिगड़ नजर आया। इस बीच सोमवार और मंगलवार को कैंपस में विरोध और प्रदर्शन चरम पर रहा। कई छात्रों को पुलिस ने हिरासत में लिया जिन्हें बाद में छोड़ा गया। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से साथ छात्रों को नोटिस जारी की गई। 6 पूर्व छात्रों को कैंपस में एंट्री बैन की गई है। वह लखनऊ पुलिस की तरफ से रविवार को फेसिंग के विरोध में प्रदर्शन करने वाले 13 लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की गईं। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि कैंपस का माहौल बिगड़ता वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। कैंपस में निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

जिनेवा वार्ता से पहले खाड़ी में अमेरिकी सैन्य का जमावड़ा

अबू धाबी। जिनेवा में होने वाली वार्ता से पहले अमेरिका ने खाड़ी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सैन्य तैनाती की है। ट्रंप प्रशासन ईरान पर परमाणु कार्यक्रम रोकने का दबाव बना रहा है। ईरान ने समझौते की इच्छा जताई है, लेकिन अपने अधिकारों से पीछे हटने से इनकार किया है। तेहरान में लोग संभावित युद्ध को लेकर चिंतित हैं। अमेरिका और ईरान के बीच जिनेवा में होने वाली अहम वार्ता से पहले मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य जमावड़ा तेज हो गया है। ट्रंप ने क्षेत्र में बड़ी नौसैनिक ताकत तैनात कर दी है। इसी बीच ईरान में आम लोग बढ़ते तनाव और संभावित युद्ध को लेकर चिंतित हैं। कई ईरानी इस वार्ता को आखिरी मौका मान रहे हैं, जिससे किसी बड़े टकराव को टाला जा सके। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि उनका देश निष्पक्ष और सम्मानजनक समझौते के लिए तैयार

है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान परमाणु हथियार विकसित नहीं करना चाहता, लेकिन शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक के अधिकार से पीछे नहीं हटेगा। जिनेवा में गुरुवार को होने वाली वार्ता को दोनों देशों के बीच तनाव कम करने का अवसर बताया जा रहा है। खाड़ी में अमेरिकी ताकत का प्रदर्शन पिछले कुछ हफ्तों में अमेरिका ने कम से कम 16 नौसैनिक जहाज क्षेत्र में तैनात किए गए हैं। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए ने फारसी भाषा में संदेश जारी कर ईरानियों को संपर्क करने के हैं। इनमें विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड शामिल हैं। इसके अलावा जॉर्डन में एफ-35 जैसे आधुनिक लड़ाकू विमान भी तैनात निर्देश भी दिए हैं। इस सैन्य जमावड़े को लेकर ईरान में बेचैनी बढ़ी है। ईरान की प्रतिक्रिया और सैन्य अभ्यास ईरान के सरकारी टीवी ने बताया कि रिवोल्यूशनरी गार्ड ने हाल में मिसाइल और ड्रोन अभ्यास किया। तटीय इलाकों में फायरिंग अभ्यास भी हुए। ईरानी नेतृत्व ने कहा है कि किसी भी हमले का कड़ा जवाब दिया जाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने साफ कहा कि आत्मसमर्पण शब्द ईरान की शब्दावली में नहीं है। ईरान का कहना है कि वह अपनी संप्रभुता की रक्षा करेगा। जनता में डर और अनिश्चितता तेहरान की सड़कों पर लोगों में चिंता साफ दिखाई दे रही है। कुछ लोग मानते हैं कि अगर दोनों पक्ष अपनी बात पर अड़े रहे तो युद्ध हो सकता है। एक टैक्सी चालक ने कहा कि 1980 के दशक का ईरान-इराक युद्ध भी इतना अस्थिर नहीं लगा था। वहीं एक युवा दुकानदार ने कहा कि आर्थिक हालात पहले ही खराब हैं, युद्ध हुआ तो स्थिति और बिगड़ेगी। कुछ लोग यह भी कहते हैं कि ईरान को झुकना नहीं चाहिए, जबकि अन्य मानते हैं कि समझौता जरूरी है। वार्ता में मुख्य अड़चनें सबसे बड़ा विवाद यूरेनियम संवर्धन को लेकर है। ईरान इसे जारी रखना चाहता है, जबकि ट्रंप प्रशासन इसे रोकने की मांग कर रहा है। अमेरिका बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम और क्षेत्रीय समूहों को समर्थन पर भी चर्चा चाहता है, लेकिन ईरान इन मुद्दों को वार्ता से बाहर रख रहा है। ऐसे में जिनेवा की बातचीत निर्णायक मानी जा रही है। अगर कूटनीति को प्राथमिकता नहीं मिली तो हालात और गंभीर हो सकते हैं।

पूर्व राज्य खुफिया सेवा प्रमुख सुरेश सैली गिरफ्तार, 2019 ईस्टर बम धमाकों में शामिल होने का आरोप

श्रीलंका। श्रीलंका के पुर्व राज्य खुफिया सेवा प्रमुख को सीआईडी के

द्वारा गिरफ्तार किया गया है। उन पर 2019 में हुए ईस्टर बम धमाकों पर शामिल होने का आरोप है। श्रीलंका के पूर्व राज्य खुफिया सेवा प्रमुख सुरेश सैली को को गिरफ्तारी हो गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक उन्हें 2019 ईस्टर बम धमाकों के सिलसिले में हिरासत में लिया गया है। उन्हें अपराध जांच विभाग द्वारा कोलंबो के सबअर्ब पेलियागोड़ा से गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली-एनसीआर सूत्रों के मुताबिक उन्हें 2019 ईस्टर संडे बम धमाकों से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया गया है। इसमें कोलंबो के चर्चों और फाइव-स्टार होटलों में 11 भारतीयों समेत 270 लोग मारे गए थे। जब यह हमले हुए, तब सैली विदेश में एक राजनयिक के पद पर काम कर रहे थे। यह हमले एक लोकल मिलिटेंट ग्रुप ने किए थे। आरोप थे कि रक्षा प्रतिष्ठान के पास इन हमलों के बारे में पहले से जानकारी थी, जिसमें भारत द्वारा साझा की गई वॉर्निंग भी शामिल थी, लेकिन उन्होंने समय पर एक्शन नहीं लिया। उस समय राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना की सरकार पर भारत द्वारा शेयर की गई खुफिया जानकारी के बावजूद हमलों को रोकने के लिए कोई एक्शन न लेने का आरोप था। अभी की नेशनल पीपुल्स पावर सरकार ने 2024 के आखिर में ईस्टर टेरर अटैक की जांच फिर से शुरू की, जिसमें कहा गया कि राजनीतिक प्रभावों की वजह से पहले मामले को दबाया गया था। गिरफ्तारी पर पुलिस का कोई आधिकारिक बयान अभी तक नहीं आया है।

अमेरिका हमले के लिए तैयार लेकिन तेहरान को अभी भी शांति की उम्मीद

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष की आशंका बनी हुई है और जिस तरह से अमेरिका ईरान के आसपास सैन्य तैनाती बढ़ा रहा है, उससे हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। हालांकि ईरान के विदेश मंत्री ने एक बयान में कहा है कि वे दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक समझौते को लेकर आशावान हैं। जानिए ईरानी विदेश मंत्री ने क्या-क्या कहा... अमेरिका की सैन्य तैयारियों और बयानबाजी से लग रहा है कि अमेरिका, ईरान पर हमले के लिए तैयार है। हालांकि ईरान अभी भी शांति की बात कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने एक ताजा बयान में कहा है कि ईरान अमेरिका के साथ जल्द से जल्द एक न्यायसंगत और बराबरी वाला समझौता करना चाहता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के पास एक ऐतिहासिक मौका है, जिसके तहत वे एक ऐसा समझौता कर सकते हैं जैसा पहले कभी नहीं हुआ।

अराघची बोले- एक सही और बराबरी वाली डील करेंगे अराघची ने यह बात सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखी। यह बयान तेहरान और वॉशिंगटन के बीच होने वाली तीसरे दौर की अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता से पहले आया है। यह वार्ता गुरुवार को जिनेवा में होने वाली है। दोनों देश पहले भी दो चरणों में बातचीत कर चुके हैं। अराघची ने कहा, 'पिछले राउंड में बनी समझ के आधार पर, ईरान जिनेवा में अमेरिका के साथ बातचीत फिर से शुरू करेगा, इस पक्के इरादे के साथ कि वह कम से कम समय में एक सही और बराबर डील करेगा।' उन्होंने कहा, 'हमारे बुनियादी यकीन बिल्कुल साफ हैं, ईरान किसी भी हालत में कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा; न ही हम ईरानी अपने लोगों के लिए शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक के फायदों का इस्तेमाल करने के अपने अधिकार को कभी छोड़ेंगे।' अराघची ने कहा कि दोनों पक्षों के पास एक ऐसा ऐतिहासिक मौका है, जिससे आपसी चिंताओं को दूर किया जा सके और साझा हितों को हासिल किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कूटनीति को प्राथमिकता दी जाए तो डील हो सकती है। अमेरिका-ईरान के बीच जिनेवा में चल रही बातचीत यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में अमेरिका ने मध्य पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाई है। इसके साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच दो दौर की अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता हो चुकी है। इन वाताओं में ईरान के परमाणु कार्यक्रम और अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई है। मंगलवार को ही, ईरान के राजनीतिक मामलों के डिप्टी विदेश मंत्री माजिद तख्त रवांची ने कहा कि ईरान यूएस के साथ न्यूक्लियर एग्रीमेंट करने के लिए जो भी जरूरी होगा करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि हम समझौता करने के लिए पूरी ईमानदारी और सकारात्मक सोच के साथ जिनेवा में बातचीत करने जाएंगे। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि अमेरिका भी इसी तरह सकारात्मक रुख अपनाएगा। उनका कहना है कि यदि सभी पक्षों में राजनीतिक इच्छाशक्ति हो, तो समझौता जल्द किया जा सकता है।

ट्रंप सरकार के खिलाफ अमेरिकी राज्यों ने ही किया मुकदमा, बच्चों के लिए वैक्सीन की सिफारिश में बदलाव पर रार

वॉशिंगटन। अमेरिका में टीकाकरण के मुद्दे पर विरोध शुरू हो गया है। दरअसल ट्रंप के नेतृत्व वाली संघीय सरकार ने राज्यों को बच्चों के टीकाकरण से जुड़ी सिफारिश में बदलाव किया है । इसके खिलाफ कई राज्यों ने ट्रंप सरकार के खिलाफ मुकदमा दायर कर दिया है। बच्चों के लिए वैक्सीन की सिफारिश में बदलाव को लेकर ट्रंप सरकार घिरती नजर आ रही है। दरअसल 10 से ज्यादा अमेरिकी राज्यों ने ही अपनी संघीय सरकार के खिलाफ मुकदमा दायर कर दिया है। राज्यों ने सिफारिश में बदलाव को सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। राज्यों का आरोप- राज्यों में बीमारी फैलने का खतरा मंगलवार को राज्यों ने दलील दी कि सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने पिछले महीने यह घोषणा करके बच्चों की जान खतरे में डाल दी कि वह सभी बच्चों को फ्लू, रोटावायरस, हेपेटाइटिस अ,

हेपेटाइटिस इ, कुछ तरह के मेनिनजाइटिस और फ्लू से बचाने के लिए वैक्सीन लगवाने की सलाह देना बंद कर देगा। सरकार के नए दिशा-निर्देशों की चिकित्सा विशेषज्ञों ने आलोचना की थी। एरिजोना और कैलिफोर्निया समेत दर्जन भर राज्यों ने कहा कि नई वैक्सीन की सलाह लंबे समय से चली आ रही मेडिकल गाइडेंस को नजरअंदाज करती है और इससे राज्यों को बीमारी फैलने से रोकने के लिए ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। एरिजोना के अटॉर्नी जनरल क्रिस मेयस ने एक प्रेस वार्ता में कहा, 'पूरे देश में बच्चों की सेहत और सुरक्षा कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ एंड्यूमन सर्विसेज की प्रेस सेक्रेटरी एमिली जी हिलियार्ड ने इस शिकायत को एक पब्लिसिटी स्टंट बताकर खारिज कर दिया। स्वास्थ्य मंत्री टीकाकरण के विरोधी स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर टीकाकरण के समर्थक नहीं हैं। जिसके चलते संघीय सरकार और विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के बीच तनातनी चल रही है। ट्रंप प्रशासन पहले ही संघीय स्वास्थ्य एजेंसियों से हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल चुके हैं। साथ ही एजेंसी आम तौर पर राज्य के स्वास्थ्य संबंधी नियमों पर असर डालती है। वैज्ञानिक रिसर्च और फंडिंग में भी कटौती की गई है। कैनेडी ने पिछले साल एक वैक्सीन एडवाइजरी कमेटी के हर सदस्य को हटा दिया था और उनकी जगह अपने चुने हुए लोगों को रखा था, जिसे मंगलवार की शिकायत में गैर-कानूनी बताया गया है। यह मुकदमा कैलिफोर्निया, वाशिंगटन और ओरेगन के डेमोक्रेटिक गवर्नरों द्वारा अपनी वैक्सीन सिफारिशें तय करने के लिए एक अलायंस शुरू करने के कुछ महीनों बाद आया है। गवर्नरों ने कहा कि ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन सेंट्रल डिजीज कंट्रोल का राजनीतिकरण कर लोगों की सेहत को खतरे में डाल रहा है। गौरतलब है कि स्कूली बच्चों के लिए वैक्सीनेशन जरूरी करने का अधिकार राज्यों के पास है, न कि केंद्र सरकार के पास। हालांकि सेंट्रल डिजीज कंट्रोल

उनकी नीतियां गलत, लेकिन वे इंसान अच्छे हैं', ट्रंप ने न्यूयॉर्क के भारतवंशी मेयर ममदानी की तारीफ की

वॉशिंगटन। एक समय न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी के धुर विरोधी रहे राष्ट्रपति ट्रंप भी अब ममदानी के मुरीद हो गए हैं। अपने स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण में ट्रंप ने ममदानी की तारीफ की और उन्हें अच्छा इंसान बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क के भारतवंशी मेयर जोहरान ममदानी की तारीफ की है। ट्रंप ने बुधवार को स्टेट ऑफ द यूनियन (अमेरिकी संसद) को संबोधित करते हुए अपने विरोधी नेता जोहरान ममदानी को अच्छा इंसान बताया। ट्रंप ने कहा, ममदानी की नीतियां गलत हैं, लेकिन वे इंसान अच्छे हैं। ममदानी की तारीफ में क्या बोले ट्रंप अपने संबोधन में ट्रंप ने कहा, 'अब न्यूयॉर्क शहर में एक वामपंथी मेयर हैं। मुझे लगता है कि वे अच्छे इंसान हैं, लेकिन उनकी नीतियां गलत हैं। उन्होंने अभी कहा कि बर्फ हटाने के लिए लोगों की

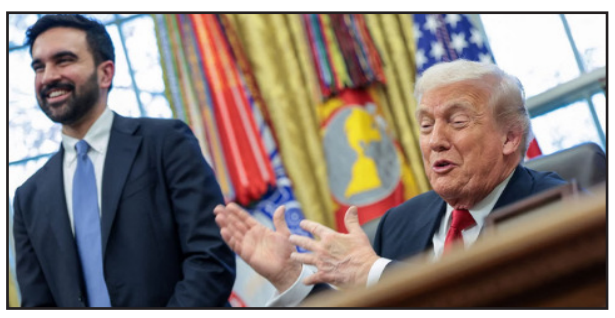

जरूरत है, लेकिन अगर आप नौकरी के लिए भी आवेदन करते हैं तो आपको पहचान पत्र और एक सोशल सिक्योरिटी कार्ड दिखाना होगा। लेकिन वे अमेरिका के लिए मतदान के लिए पहचान पत्र नहीं मांगते।' ट्रंप का यह बयान उस संदर्भ में है, जिसमें ट्रंप अमेरिकी संसद पर दबाव बना रहे हैं कि वे चुनाव विधेयक सेव अमेरिका एक्ट पारित करें। इस विधेयक में लोगों को मतदान के लिए पंजीकरण कराते वक्त नागरिकता का प्रमाण देना होगा और वोटिंग के वक्त एक पहचान पत्र दिखाना होगा। संसद में ट्रंप ने एक घंटे से ज्यादा समय तक दिए अपने संबोधन में अर्थव्यवस्था, टैरिफ, अवैध घुसपैठ समेत विभिन्न मुद्दों पर बात की। राष्ट्रपति ट्रंप ने स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण में अपनी सरकार की उपलब्धियों का गुणगान किया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की आजादी को 250 साल पूरे होने जा रहे हैं और दुनिया में कोई भी अमेरिका जैसा देश नहीं है और हम लगातार खुद को बेहतर कर रहे हैं। यह अमेरिका का स्वर्णिम काल चल रहा है। उन्होंने कहा कि अवैध घुसपैठ पर रोक लगी है और सीमा पर हालात पूरी तरह से बदल गए हैं। इस दौरान डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप के भाषण का विरोध करते हुए सदन से वॉक आउट किया, जिसके जवाब में रिपब्लिकन सांसदों ने नारेबाजी की। ट्रंप ने कहा, देश में अपराध कम हुआ है और एक साल में ही हमने पूरे देश को बदल दिया है और अभी तक ऐसा किसी ने नहीं किया है। आज हमारी सीमाएं सुरक्षित हैं। महंगाई कम हो रही है और लोगों की आय बढ़ रही है। देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत हो रही है और हमारे दुश्मन घबराए हुए हैं। हमारी सेना और पुलिस पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हैं। आज हमारी सीमाएं इतिहास में सबसे ज्यादा सुरक्षित हैं। बीते 9 महीने में एक भी अवैध घुसपैठ की घटना नहीं हुई है। हालांकि कानूनी तौर पर आने वाले लोगों का अमेरिका में स्वागत है। ट्रंप ने कहा, देश में खतरनाक फेंटानिल ड्रग की आमद में 56 प्रतिशत की कमी आई है। देश में हत्या दर में भी ऐतिहासिक तौर पर कमी आई है और यह 125 साल में सबसे कम है। बाइडन सरकार ने हमें खराब अर्थव्यवस्था दी थी, लेकिन हमने महंगाई को कम किया और बीते पांच साल मे यह सबसे कम है। गैसोलीन की कीमतों में भी भारी कमी आई है और कई राज्यों में यह 2.30 डॉलर से भी कम है। मोर्गेज रेट भी बेहद कम है। ट्रंप ने कहा कि स्टॉक मार्केट भी मजबूत है। हमने पेंशन बढ़ाई है और अमेरिका में बीते एक साल में 18 खरब डॉलर का निवेश आया है। निर्माण क्षेत्र में 70 हजार नई नौकरियां पैदा हुई हैं। अमेरिका में नेचुरल गैस का उत्पादन सर्वकालिक उच्च स्तर पर है। देश के इतिहास में मौजूदा समय में सबसे ज्यादा लोग काम कर रहे हैं और बीते एक साल में निजी क्षेत्र में 100 फीसदी नौकरियां पैदा हुई हैं।

जरूरी खनिजों पर चीन की पकड़ से रक्षा उद्योग को खतरा, अमेरिकी सांसदों ने दी चेतावनी

वॉशिंगटन। दुर्लभ खनिज रक्षा उत्पादन और आधुनिक तकनीक के विकास के लिए बेहद जरूरी हैं। फिलहाल चीन का दुर्लभ खनिज पर काफी नियंत्रण है, जिस पर अमेरिकी सांसदों ने चिंता जाहिर की है और इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया है। अमेरिका में महत्वपूर्ण

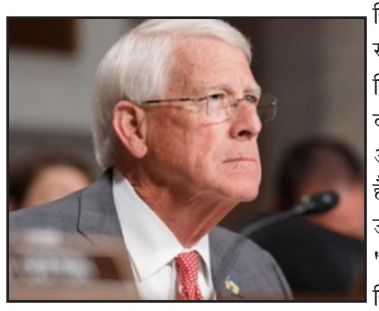

खनिजों और आधुनिक तकनीकी सप्लाई चेन्स को लेकर चिंता बढ़ रही है। अमेरिकी सांसदों ने चेतावनी दी है कि महत्वपूर्ण खनिजों पर चीन का दबदबा संकट के समय में अमेरिकी रक्षा उद्योग को कमजोर कर सकता है। वहीं, पेंटागन ने घरेलू सप्लाई चेन के पुनर्निर्माण के लिए किए गए विवादित इक्विटी निवेश और मूल्य गारंटी का बचाव किया है। 'चीन पर अमेरिका की निर्भरता सबसे बड़ी रणनीतिक कमजोरी' सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के अध्यक्ष रोजर विकर ने सप्लाई चेन के पुनर्निर्माण पर कांग्रेस की सुनवाई में कहा, 'यह कोई बढ़ा-चढ़ाकर कहना नहीं होगा कि महत्वपूर्ण खनिजों पर चीन के पर अमेरिका की निर्भरता हमारी सबसे बड़ी रणनीतिक कमजोरियों में से एक है।' उन्होंने चेतावनी दी कि दुर्लभ धातुओं (रेयर अर्थ) के निर्यात में कटौती की धमकियों से अमेरिकी रक्षा उत्पादन घुटनों पर आ जाता और अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान होता। पेंटागन औद्योगिक नीति प्रमुख माइकल कैडेनाजी ने सीनेटरों को बताया कि यह जोखिम तत्काल है। उन्होंने कहा, 'यह कोई सैद्धांतिक जोखिम नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक स्पष्ट और मौजूदा खतरा है।' उन्होंने चेतावनी दी कि बीजिंग इन सप्लाई चेन को हथियार बना सकता है, जिससे हमारे डिफेंस इंडस्ट्रियल बेस में रुकावट आने और संकट में मिलिट्री की तैयारी से समझौता करने का खतरा है। कैडेनाजी ने बताया कि विभाग ने डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट के तहत और इंडस्ट्रियल बेस फंड के जरिए खनिज क्षेत्र में 97 करोड़ डॉलर का निवेश किया गया और अमेरिका एक व्यापक रणनीति पर काम कर रहा है, जिसमें उत्पादन को वापस लाना, सहयोगियों के साथ काम करना, रिसर्च और रीसाइक्लिंग में निवेश व राष्ट्रीय रक्षा भंडार का आधुनिकीकरण करना शामिल है। उन्होंने दुर्लभ धातुओं के उत्पादन को सुरक्षित करने के लिए 'एमपी मैटेरियल्स समझौते' का जिक्र किया। हालांकि, दोनों दलों के सांसदों ने पेंटागन पर कैलिफोर्निया में एमपी मटेरियल्स नाम की दुर्लभ धातु खनन कंपनी में 40 करोड़ डॉलर की लागत से 15 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी लेने पर सवाल उठाए। रैंकिंग मेंबर जैक रीड ने इस तरह के निवेश के कानूनी आधार पर सवाल उठाया और कहा कि डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट में 'इक्विटी निवेश का बिल्कुल भी जिक्र नहीं है।' कैडेनाजी ने इक्विटी निवेश का बचाव करते हुए कहा कि यह निजी निवेश के लिए उत्प्रेरक है, खासकर उस स्थिति में जब बाजार-आधारित दृष्टिकोण विफल रहा। उन्होंने तर्क दिया कि मूल्य-न्यूनतम खुले बाजार के विश्लेषण के आधार पर तय किए गए, ताकि चीन की ओर से नियंत्रित मूल्य-न्यूनतम का मुकाबला किया जा सके। सुनवाई में परमिट और पर्यावरण सुरक्षा उपायों को लेकर मतभेद भी सामने आया। सीनेटर डैन सुलिवन ने कहा कि पर्यावरण संबंधी पाबंदियां माइनिंग डेवलपमेंट के लिए विवाद का एक बड़ा मुद्दा रही हैं, जबकि सीनेटर माजी के. हिरोनो ने कहा कि पर्यावरण संबंधी जरूरतें जरूरी हैं और हम सिर्फ इसलिए उन चीजों को नहीं छोड़ सकते, क्योंकि हम जरूरी खनिजों का खनन करना चाहते हैं।

निरस्त्रीकरण सम्मेलन में भारत की अपील, हथियारों की नई दौड़ रोके दुनिया

जिनेवा। भारत ने जिनेवा में निरस्त्रीकरण सम्मेलन के दौरान दुनिया को हथियारों की नई रेस के प्रति आगाह किया है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने परमाणु हथियारों के पहले इस्तेमाल न करने की नीति और सैन्य क्षेत्र में एआई पर इंसानी नियंत्रण की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही भारत ने वैश्विक सुरक्षा के लिए सभी देशों से एकजुट होने की अपील की है। भारत ने दुनिया में बढ़ती अस्थिरता और हथियारों की नई रेस को रोकने की जरूरत पर जोर दिया है। जिनेवा में निरस्त्रीकरण सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने कहा कि आज के दौर में सुरक्षा का माहौल बहुत अनिश्चित है। सैन्य खर्च बढ़ रहा है और पुराने हथियार नियंत्रण समझौते कमजोर पड़ रहे हैं। विदेश सचिव ने 'न्यू स्टार्ट' संधि के खत्म होने को वैश्विक हथियार नियंत्रण के लिए एक बड़ा झटका बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया की सुरक्षा के लिए रणनीतिक स्थिरता बनाए रखना अब पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है। भारत एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति संपन्न देश है। भारत अपनी परमाणु नीति के तहत भरोसेमंद न्यूनतम प्रतिरोध बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत 'नो-फर्स्ट यूज' (परमाणु हथियार का पहले इस्तेमाल न करना) की नीति का पालन करता है। साथ ही, भारत उन देशों के खिलाफ परमाणु हथियार इस्तेमाल नहीं करेगा जिनके पास ये हथियार नहीं हैं। विक्रम मिसरी ने परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए एक चरणबद्ध और भेदभाव रहित तरीके की वकालत की। उन्होंने कहा कि भारत ऐसी व्यवस्था चाहता है जिसे पूरी दुनिया माने और जिसकी सही तरीके से जांच हो सके। उन्होंने 'फिसाइल मटीरियल कट-ऑफ ट्रीटी' पर बातचीत का भी समर्थन किया। तकनीक के क्षेत्र में हो रहे बदलावों पर भी भारत ने अपना पक्ष रखा। विदेश सचिव ने कहा कि नई तकनीक से सैन्य क्षमताएं तो बढ़ रही हैं, लेकिन इससे नए खतरे भी पैदा हो रहे हैं। उन्होंने मांग की कि संयुक्त राष्ट्र को इन तकनीकों के सुरक्षा पर पड़ने वाले असर की जांच करनी चाहिए।

ट्रंप ने सैनिकों को किया सम्मानित; वेनेजुएला में मादुरो को पकड़ने वाले पायलट को मिला विशेष सम्मान

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन' में वॉशिंगटन गोलीबारी में घायल नेशनल गार्ड को 'पर्पल हार्ट' और वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को पकड़ने के मिशन में अहम भूमिका निभाने वाले पायलट को 'कांग्रेसनल मेडल ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को अपने 'स्टेट ऑफ द यूनियन' संबोधन के दौरान अमेरिकी सेना के उन सदस्यों को सम्मानित किया, जिन्होंने देश और विदेश में अदम्य साहस का परिचय दिया। इस दौरान वॉशिंगटन में गोलीबारी का शिकार हुए नेशनल गार्ड के सदस्यों और वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने वाले मिशन के हीरो को मेडल दिए गए। मादुरो को पकड़ने वाले पायलट को मिला सम्मान ट्रंप ने आर्मी चीफ वारंट ऑफिसर 5 एरिक स्लोवर को 'कांग्रेसनल मेडल ऑफ ऑनर' से नवाजा। स्लोवर उस लीड चिनूक हेलीकॉप्टर के पायलट थे, जिसने तीन जनवरी को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए उनके किलेनुमा घर पर रेड की थी। 'कांग्रेसनल मेडल ऑफ ऑनर' सम्मान संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे प्रतिष्ठित सैन्य वीरता पुरस्कार है, जो युद्ध के दौरान असाधारण साहस और कर्तव्य की सीमा से परे बलिदान दिखाने वाले सैनिकों को दिया जाता है। यह पदक राष्ट्रपति द्वारा अमेरिकी कांग्रेस की ओर से दिया जाता है। ट्रंप ने बताया कि लैंडिंग के दौरान दुश्मन की मशीन गनों ने स्लोवर के हेलीकॉप्टर पर गोलियां बरसाईं। इस दौरान स्लोवर के पैर और कूल्हे में चार गोलियां लगीं, जिससे उनका पैर कई जगह से टूट गया। इसके बावजूद, उन्होंने हेलीकॉप्टर पर नियंत्रण बनाए रखा और अपने गनर्स को जवाबी कार्रवाई का मौका दिया। ट्रंप ने कहा, पूरे मिशन की सफलता और साथियों की जान एरिक की दर्द सहने की क्षमता पर टिकी थी। स्लोवर वॉकर के सहारे मेडल लेने पहुंचे।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।